www.tamsasanket.com
वर्षः 29|| अंक 129 ||अम्बेडकरनगर
गुरुवार
30 जुलाई 2026||पृष्ठः 08|| मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:29
सूर्यास्तः 06:56
अधिकतमः 34:00
न्यूनतमः 28:00

पेज 07

विशेष समाचार | पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ... >>पेज 04 | पिकअप ट्रक की भिड़ंत, 3 ... >>पेज 06 | असम बाढ़ पीड़ितों के लिए मसीहा ...

लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक लोकसभा में ध्वनि मत से पास हुआ।

इसमें 7 साल की सजा, 10 करोड़ तक जुर्माना, राज्यसभा में वंदेमातरम से जुड़ा संशोधित बिल पास

पेपर लीक बिल पास

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को ध्वनि मत से पास हो गया।

बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी बिल पर 50 मिनट बोले। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ।

इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

राज्यसभा में वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने वाला विधेयक पारित कर दिया। इस कानून के तहत वंदे मातरम् का अपमान करने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है।

वंदे मातरम के अपमान पर अब 3 साल तक की जेल

राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। नए कानून में राष्ट्रगीत के अपमान के लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोले-विपक्ष बिल पर राजनीति कर रही

बिल पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्ष बिल के नाम पर राजनीति कर रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिन अपशब्दों का इस्तेमाल किया वे असंसदीय हैं। माननीय सदस्य खुद को भी इडियट समझें तो वह नहीं कर सकते। उन्हें नियमों की जानकारी नहीं है। यदि वे व्यक्ति विशेष के लिए ये शब्द नहीं बोल रहे तो क्या छात्रों के लिए ये शब्द थे। और यदि छात्रों को इडियट कहा जाए तो इससे दुर्भाग्यपूरअम कुछ नहीं है।

जितेंद्र सिंह बोले- गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री नहीं देते

राहुल जी ने कहा कि शाह के साथ 30 गाड़ियों का काफिला था। इन्हें ये नहीं पता कि गृह मंत्री के साथ 30 गाड़ियां नहीं चलतीं और शाह विदेश नहीं गए हैं। तथ्यों के बिना गैरजि-म्मेदारी से सदन में ये बातें कहना और फिर निकल जाना ये किसी नेता प्रतिपक्ष का व्यवहार हो ही नहीं सकता।

21 जुलाई को नेता प्रतिपक्ष पीएम आवास के बाहर जाकर बैठ गए। इनकी हसरत है कि देश इनको पीएम बनाए। लेकिन इनका सपना पूरा नहीं हुआ तो ये पीएम आवास के बाहर जाकर बैठ गए।

लोकसभा में असंसदीय शब्दों का नियम क्या है

स्पीकर बिरला ने राहुल के कहे 'इडियट' शब्द को असंसदीय बताकर सदन की कार्रवाई से हटाने को कहा है। लोकसभा के नियम 380 में असंसदीय शब्दों का प्रावधान है। इसके तहत यदि स्पीकर को लगता है कि किसी सदस्य द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द या टिप्पणी मानहा-निकारक, अशोभनीय, असंसदीय या सदन की गरिमा के प्रतिकूल है, तो वे उसे सदन की कार्यवाही से हटाने (Expunge) का आदेश दे सकते हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

तेलंगाना में ट्रेनी आईपीएस अफसर की तलाश

हैदराबाद । तेलंगाना के हैदराबाद की सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस एकेडमी के एक ट्रेनी IPS अफसर के खिलाफ महिला ट्रेनी अफसर से छेड़छाड़, मारपीट और ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसे जबरन अपने कमरे में ले गया, मारपीट की, बिना सहमति के उसका वीडियो रिकॉर्ड किया और वह वीडियो उसके पति को भेज दिया। शिकायत के बाद अत्तापुर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। अश्लील मैसेज और चरित्र पर सवालः FIR के मुताबिक, ट्रेनी महिला अफसर ने आरोप लगाया कि आरोपी 23 जून से उसे वॉट्सएप पर अश्लील मैसेज भेज रहा था। वह अन्य ट्रेनी अधिकारियों के सामने उसके बारे में अपमानजनक बातें करता था और उस पर दूसरे ट्रेनी अफसर के साथ संबंध होने का झूठा आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश करता था।

कोयला घोटाला में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह पर केस बंद

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई क्लोजर को मंजूरी दी कहा- क्लीन चिट के बाद फिर जांच शुरू हुई थी

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में चल रहा क्रिमिनल केस बंद कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 12 साल बाद सीबीआई की 2014 की 2 क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने कहा कि पूर्व पीएक के खिलाफ करप्शन के कोई ठोस सबूत नहीं हैं। यह मामला यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान तलाबीरा-2 कोयला ब्लॉक के आवंटन से जुड़ा है। साल 2015 में विशेष सीबीआई

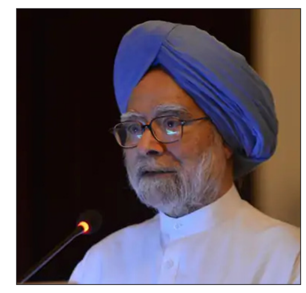

कोर्ट ने एजेंसी की क्लोजर रिपोर्ट को नामंजूर कर दिया था। कोर्ट ने मनमोहन सिंह और अन्य आरोपियों को ट्रायल का सामना करने के लिए तलब किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

ट्रायल कोर्ट के फैसले को किया खारिज

पूर्व प्रधानमंत्री की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और एएम सिंघवी ने दलील दी कि सीबीआई ने 27 अगस्त 2014 और 21 अक्टूबर 2014 को ट्रायल कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। हालांकि, स्पेशल जज ने रिपोर्ट को ठुकरा दिया था। 11 मार्च 2015 को पूर्व प्रधानमंत्री को समन जारी कर दिया था। सिब्बल ने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट ने सरकारी मंजूरी का इंतजार किए बिना ही मामला दर्ज कर लिया था।

छात्रों पर दिल्ली में पैलेट गन चली

नुकीली लाठियां मारी गईं, भाजपा बोली- छात्रों के संसद मार्च में गोली नहीं चली

बर्बरता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । राहुल गांधी ने बुधवार शाम को कहा, 'आज मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। रिजिजू और राजनाथ सिंह जी को बोलने दिया गया। इसकी वजह है कि मैंने अमित शाह के बारे में कहा कि वह छात्रों पर हुई बर्बरता के लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।' राहुल ने कहा कि सदन में मुझसे कहा गया कि मैं माफी मांगूंगा, इसके बाद मुझे बोलने दिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष के रूप में मेरा कर्तव्य है कि देश के मुद्दे उठाऊं।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर लोकसभा में 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया।

राहुल ने कहा- छात्रों ने बताया कि वे अंधभक्त नहीं बनेंगे

राहुल ने कहा, 'गरीब बच्चों से लाखों लाख रुपए लिए गए। एक परीक्षा में पेपर लीक होता है। दूसरे में कुछ और दिक्कत होती है। ये बहुत गलत है। सिस्टम पर RSS का कब्जा हो चुका है।'

राहुल ने कहा, 'राजनाथ सिंह ने कहा कि हम UPA नहीं हैं, हमारे मंत्री कभी इस्तीफा नहीं देते। वे सही कह रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा दिखावटी है क्योंकि धर्मेंद्र प्रधान ने कभी शिक्षा मंत्रालय नहीं चलाया। शिक्षा मंत्रालय को चलाने वाला संगठन RSS है।'

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

यूपी के स्कूल में जेन-अल्फा बच्चों का आंदोलन

लखनऊ। जंतर-मंतर पर हुए GenZ प्रदर्शन के बाद अब UP से Gen Alpha बच्चों के आंदोलन का वीडियो सामने आया है। वीडियो में स्कूल के स्टूडेंट्स अपनी बेसिक मांग पूरी करने के लिए प्रोटेस्ट करते नजर आ रहे हैं।

विरोध नारेबाजी

जेपीएससी में गड़बड़ी को लेकर सड़कों पर उतरे छात्र

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) की भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में स्टूडेंट्स सड़क पर उतरे और संविधान यात्रा निकाली।

बुधवार को राजधानी रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में छात्र जुटे और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि एग्जाम में हुई गड़बड़ी की CBI जांच कराई जाए।

प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

सावन-भादौ में बाबा महाकाल की 6 सवारी निकलेंगी

उज्जैन। भगवान शिव के प्रिय सावन माह की शुरुआत इस साल गुरुवार 30 जुलाई से हो रही है जबकि समापन पूर्णिमा तिथि के साथ 28 अगस्त को होगा। इस पवित्र महीने में आराधना के लिए प्रदेशभर के सभी मंदिरों में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन करीब 4 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

भोपाल में बीच सड़क पर डटे हजारों किसान

प्रशासन से बैठक बेनतीजा, सीएम हाउस घेरेंगे

- किसान बोले- सरकार की बातें नामंजूर
- किसान आंदोलन के चलते ट्रैफिक डायवर्ट

धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल । मूंग की 100% सरकारी खरीदी और खाद वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर भोपाल पहुंचे करीब 2 हजार किसान मंगलवार रात होशंगाबाद रोड पर डटे रहे। किसान प्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच देर रात एक घंटे तक चली बैठक बेनतीजा रही। किसानों ने सरकार का एक सप्ताह का समय देने का प्रस्ताव ठुकराते हुए बुधवार सुबह मुख्यमंत्री आवास घेरने का ऐलान किया है।

आंदोलन के चलते नर्मदापुरम रोड पर ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा, जबकि होशंगाबाद रोड, एम्स, बंसल प्लाजा और कटारा हिल्स रोड पर जाम की स्थिति बनी रही। नर्मदापु-रम रोड से लगे कुछ स्कूलों की छुट्टी भी कर दी गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

बारिश के बीच योगी आदित्यनाथ रविदास घाट पहुंचे। उन्होंने मां गंगा का प्रणाम किया, इसके बाद वह सीधे विश्वनाथ मंदिर के लिए रवाना हो गए।

सीएम योगी का वाराणसी से ऐलान, सपा पर बोला हमला, 'समरसता संकल्प अभियान' की हुई शुरुआत

भदोही जिले का नाम फिर से संत रविदास नगर होगा

- भदोही का नाम संत रविदास नगर करावाने की कारवाई को आगे बढ़ाएंगे - सीएम

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, वाराणसी, लखनऊ। वाराणसी में संत गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भाजपा ने बुधवार को काशी से 'समरसता संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सीएम योगी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष पंकज

चौधरी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सीएम योगी ने की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन में को भी शामिल होना था। लेकिन उनका कार्यक्रम निरस्त हो गया है।

सीएम योगी ने कहा- संतों की बात वे लोग स्वीकार नहीं करेंगे, जो समाज को बांटने का काम करते हैं। समाज को बांटने वाले वही लोग हैं, जिनके आदर्श बाबर और औरंगजेब रहे हैं। ये लोग समाज को खाई-खाई में बांटकर आपस में लड़ाने का काम करते हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को सौंपे जा रहे माटी कलश

देशभर से आए प्रतिनिधियों को संत रविदास की जन्मस्थली से पवित्र माटी से भरे कलश सौंपे जा रहे हैं। भारत के सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से पहुंचे प्रतिनिधि इन कलशों को अपने-अपने जिलों तक लेकर जाएंगे। आयोजन के तहत सबसे पहले माटी कलश संबंधित जिला मुख्यालयों तक पहुंचाए जाएंगे, जहां से इन्हें आगे हरगांव ले जाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य संत रविदास के संदेश, विचार और सामाजिक समरसता के भाव को देशभर में पहुंचाना है।

तंज : अयोध्या में श्रीराम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले पर अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा

भाजपा सरकार छात्रों नौजवानों और किसानों के लिए सबसे बड़ा संकट

- किसानों को खाद-बीज के संकट और बेरोजगारी पर भी साधा निशाना
- संसद परिसर में प्रदर्शन के बाद मीडिया से बोले अखिलेश
- पेपर लीक आंदोलन में बल प्रयोग पर उठाए सवाल

पेपर लीक और छात्रों पर बल प्रयोग को लेकर उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार छात्रों, नौजवानों और किसानों के लिए सबसे बड़ा संकट बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो सरकार अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दान पात्र की सुरक्षा नहीं कर सकी और चढ़ावे की चोरी नहीं रोक पाई, उससे पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा ने करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है और अब युवाओं के भविष्य को भी खतरे में डाल रही है। >> (शेष पेज 06 पर)

सपा सांसद डिंपल यादव बुधवार को दान पेटी लेकर संसद भवन पहुंचीं। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार को घेरा।

किसानों को खाद के लिए भटकना पड़ रहा है

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसान लगातार परेशान हैं। धान की फसल के लिए किसानों को समय पर डीएपी और यूरिया नहीं मिल पा रही है। सहकारी समितियों पर लंबी कतारें लग रही हैं और किसान खाद के लिए भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी हो रही है, जबकि सरकार केवल कागजी आंकड़ों के जरिए उपलब्धता का दावा कर रही है।

उत्तराखंड में भारी बारिश चार धाम यात्रा रुकी

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 की मौत

सतर्क

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ भोपाल। देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद चार धाम यात्रा 2 दिन के लिए रोक दी गई है। चंपावत, बागेश्वर और टिहरी में 12वीं तक के स्कूल-आंगनवाड़ी में छुट्टी कर दी गई है।

राजस्थान के धौलपुर में तेज बारिश से बाजारों में पानी भर गया। वहीं, राज्य के 22 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ से टाटा मोटर्स के साणंद प्लांट और आसपास मौजूद कई सप्लायर की

- राजस्थान के 22 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

यूनिट बंद करानी पड़ीं।

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी है। देश के ऊपर दो सिस्टम मौजूद हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

छात्र बोला- मुझे एक मौका चाहिए, टैलेंट देखकर डायरेक्टर इंप्रेस, दोबारा टेस्ट के लिए बुलाया

एडमिशन न मिलने पर आईआईटी कानपुर की वेबसाइट हैक की

दावा

कानपुर, एजेंसी

कानपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) में एडमिशन नहीं मिलने पर एक छात्र ने संस्थान की वेबसाइट हैक कर ली। उसने बैचलर इन साइबर सिक्योरिटी कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन किया था। मंगलवार को छात्र ने IIT की हाई-सिक्योरिटी वेबसाइट हैक कर उस पर मैसेज लिखा- मुझे बस एक मौका चाहिए।

उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और रेडिट पर हैकिंग के स्क्रीनशॉट शेयर कर इसकी जिम्मेदारी भी ली। मामला सामने आते ही IIT में हड़कंप मच गया। जानकारी डायरेक्टर तक पहुंची। पहले FIR दर्ज कराने पर विचार हुआ, लेकिन बाद में छात्र के भविष्य को देखते हुए IIT प्रबंधन ने फैसला बदल दिया।

IIT के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने बताया- किसी भी सिस्टम में अवैध तरीके से इंटर करना साइबर सुरक्षा कौशल दिखाने का सही तरीका नहीं है।

IIT के डायरेक्टर मणिंद्र अग्रवाल ने कहा- अगर छात्र में वास्तव में साइबर सुरक्षा की क्षमता है, तो उसे दोबारा बुलाकर टेस्ट लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी साइबर सिस्टम में अवैध तरीके से घुसना साइबर सुरक्षा कौशल दिखाने का सही तरीका नहीं है। फिलहाल, IIT ने छात्र के भविष्य को देखते हुए उससे जुड़ी कोई भी जानकारी साझा नहीं की है।

आईआईटी कानपुर के बैचलर इन साइबर सिक्योरिटी (B.Cyber) कोर्स में दाखिला सिर्फ जेईई मेन के नंबरों के आधार पर नहीं मिलता।

हैक करके वेबसाइट पर लिखा- मुझे खुद को साबित करने का मौका दिया जाए

वेबसाइट हैक करने के बाद छात्र ने मैसेज में लिखा, मैंने IIT में एडमिशन के लिए पूरी प्रक्रिया सही तरीके से पूरी की थी। आवेदन किया, फीस जमा की, जरूरी दस्तावेज अपलोड किए और साइबर सुरक्षा में किए गए अपने काम के सबूत भी दिए। मेरा मकसद सिर्फ इतना है कि मेरी काबिलियत को एक मौका मिले। मैं चाहता हूं कि मेरी क्षमता को परखा जाए। मेरा मकसद किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं है। मैंने वेबसाइट सिर्फ इसलिए हैक की है, ताकि साइबर सुरक्षा से जुड़े संस्थान के प्रोफेसरों का ध्यान मेरी ओर जाए। नीचे दिए गए बटन पर क्लिक करके यूजर्स वेबसाइट का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप IIT प्रशासन या साइबर सुरक्षा से जुड़े हैं, तो मेरी बात को एक बार समझने की कोशिश करें। मैं एक हैकर के तौर पर अपनी स्थिति बताना चाहता हूं। यह भी बताना चाहता हूं कि मुझे यह कदम उठाने की जरूरत क्यों महसूस हुई। मैं वेबसाइट को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता हूं, लेकिन मुझे बी.साइबर प्रोग्राम के लिए चुने जाने योग्य नहीं समझा गया।

निदेशक बोले- संस्थान बुलाकर टेस्ट लिया जाएगा

IIT कानपुर के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने बताया, ₹इस साल 15 जून से 25 जून तक चार साल के बैचलर इन साइबर सिक्योरिटी कोर्स के लिए आवेदन लिए गए। 5 जुलाई को चयन प्रक्रिया के तहत हैकाथॉन हुआ। इसके जरिए छात्रों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका दिया गया। उस समय यह छात्र खुद को साबित नहीं कर पाया था।

अब उसके दावे की जांच के लिए उसे संस्थान बुलाकर टेस्ट लिया जाएगा। आईआईटी कानपुर पहले भी साइबर सिक्योरिटी में अच्छा काम करने वाले युवाओं को मौका देता रहा है। हाल ही में सीबीएसई के ऑनलाइन पोर्टल की सुरक्षा में कमी बताने वाले एक युवक को संस्थान के C-3 आई हब में नौकरी दी गई थी।

प्रयागराज में मुंबई से आए नवविवाहित कपल का अपहरण

आधी रात ऑटो रोककर कपल को कार में खींचा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज के करेली में मुंबई से आए कपल को आधी रात बीच रास्ते किडनैप कर लिया गया। तीन युवकों ने दोनों को ऑटो से खींच लिया और फिर चलती कार में युवती से अश्लील हरकत की। दो आईफोन भी लूट लिए।

शोर मचाने पर रहागीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची डायल 112 ने पीछा किया। करीब 15 तक 3.5 किमी तक पीछा करने के बाद बदमाशों को पकड़ा गया और फिर कपल को छुड़ाया गया। घटना मंगलवार भोर 2:40 में हुई।

तीनों बदमाशों को बुधवार दोपहर 4 जेल भेज दिया गया। इनमें से दो प्रतापगढ़ और कौशाम्बी के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई कार भी बरामद की गई है। खास बात यह है कि तीनों ने इस पर भारत सरकार लिखा रखा था। बक्शी बाजार खुल्दाबाद का रहने वाला 21 साल का युवक मुंबई में आईटी कंपनी में जॉब करता है। उसने पुलिस को बताया, मैंने एक हफ्ते पहले मुंबई में ही रहकर जॉब करने वाली दोस्त से निकाह किया। 27 जुलाई को दोनों फ्लाइट से प्रयागराज आए।

रात में प्रयाग स्टेशन के पास अर्बन रेजीडेंसी होटल में कमरा लेकर रुके। रात 1:30 बजे के करीब अचानक पत्नी को तेज खांसी आने लगी। मैं दवा लेने के लिए रेलवे स्टेशन के आसपास गया, लेकिन मेडिकल स्टोर बंद मिले।

फास्ट न्यूज

जुआरियों के मददगार चौकी इंचार्ज-दरोगा और सिपाही निलंबित

वाराणसी। वाराणसी के कैंट इलाके में खुलेआम लाखों रुपए के जुएं के फड़ सजने की शिकायतों के बाद पुलिस कमिश्नर नींद से जाग उठे। जनता में पुलिस की फजीहत होने के बाद सीपी ने टीम भेजकर छापा मरवाया तो मौके से जुआरियों को दबोचा गया। पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही बड़ा दांव लगाने वाले सफेदपोश मौके से भाग निकले।

गोरखपुर में 7.40 लाख की ठगी

गोरखपुर । गोरखपुर के रामगढ़-ताल थाना क्षेत्र की युवती के साथ जॉब के नाम पर 7.40 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। युवती को अंजान नंबरों से मैसेज कर जॉब का ऑफर दिया गया। जाल में फंसाकर विभिन्न बैंक खातों में निवेश के नाम पर पैसे जमा कराए गए। पीड़ित युवती की तहरीर पर रामगढ़ताल थाने में मंगलवार की रात 9 बजे एफआई-आर दर्ज की कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के तारामंडल में रहने वाली 22 साल की निकिता दुबे ने तहरीर देकर बताया कि 5 जुलाई 2026 को उनके साथ ठगी की घटना हुई।

रास्ता न मिलने से नाराज युवक ने शुरू किया अनशन

बाराबंकी। रामनगर विकासखंड की ग्राम पंचायत मलौली में रास्ते की समस्या को लेकर एक युवक ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गांव निवासी ललित बाजपेई ने अपने घर के सामने अनिश्चितकालीन धरना और आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि पिछले 16 वर्षों से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका।

बाराबंकी में बुलेट के मॉडिफाइड साइलेंसर जेसीबी से कुचले

पुलिस ने तेज आवाज पर कसा शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी शहर में ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। दोपहर 2:30 बजे शहर के व्यस्त पटेल चौराहे पर क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में ट्रैफिक प्रभारी रामरतन यादव ने अभियान चलाकर जब्त किए गए बुलेट मोटरसाइकिलों के अवैध साइलेंसरों को जेसीबी मशीन से कुचलवा दिया। इस अभियान के तहत जब्त किए गए साइलेंसरों को सड़क किनारे रखकर जेसीबी से पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। इस कार्रवाई को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और राहगीर भी रुक गए। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, मॉडिफाइड साइलेंसरों से निकलने वाली तेज आवाज आम लोगों, मरीजों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों के लिए परेशानी का कारण बनती है। यह मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का भी उल्लंघन है, जिसके चलते ऐसे वाहनों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि जिन वाहन चालकों ने अपनी बुलेट या अन्य बाइक में नियमों के विरुद्ध मॉडिफाइड साइलेंसर लगवा रखे हैं, उनके खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रयागराज में 120 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक

प्रयागराज । प्रयागराज में बुधवार सुबह करीब 7 बजे एक युवक 120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसके हाथ में कागजों की फाइल थी। गांव के लोगों ने उसे नीचे उतरने को कहा। युवक बोला- जब तक तालाब से कब्जा नहीं हटेगा, मैं टावर से नीचे नहीं उतरूंगा। सूचना पर मौके पर तहसील की टीम पहुंची।

तहसीलदार ने कहा- मजे लेने के लिए टावर पर चढ़े हो? इस पर युवक नाराज हो गया। उसने कहा कि तुमने खूब खूब काजू-बादाम खाए हैं। तभी हमें न्याय नहीं दिया जा रहा है। इसके बाद तहसीलदार मौके से चले गए। इसके बाद लेखपाल और कानून गो पहुंचे। उन्होंने तालाब की पैमाइश के लिए टीम बनाई और पैमाइश शुरू कर दी। इसके बाद युवक से नीचे उतरने को कहा, मगर वह नीचे नहीं उतरा। वह पिछले 7 घंटे से युवक टावर पर चढ़ा हुआ है। मौके पर पुलिस मौजूद है। मामला सोरांव थाना क्षेत्र की है।

गोरखपुर में बहन बोली- पुलिस की वर्दी में बाइक पर बैठा कर आरोपी ले गया

हॉस्पिटल में खाना देने आई 10 साल की लड़की गायब

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर जिला अस्पताल में एडमिट बहन को खाना देने आई 10 साल की लड़की को पुलिस की वर्दी में आया बाइक सवार फुसला कर ले गया। परिजनों का आरोप है कि मंगलवार रात करीब 10 बजे जब वह घर लौट रही थी, तभी एक व्यक्ति आया और अपने साथ बाइक पर बैठा लिया।

वहां से कहां ले गया, यह अब तक पता नहीं चल पाया। बहुत देर तक खोजबीन करने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पिता ने बुधवार दोपहर 3 बजे कोतवाली थाने में FIR दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस जांच में जुटी है।

आजमगढ़ जिले के कप्तानगंज थाना इलाके के रहने वाले पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पिछले चार साल से वे परिवार के साथ गोरखपुर में किराये पर रहते हैं। ई-रिक्शा चलाते हैं। 27 जुलाई को उनकी 13 साल की बड़ी बेटी बीमार पड़ गई, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में एडमिट कराया गया। इसी बीच 28 जुलाई, मंगलवार रात 8.30 बजे के करीब दूसरी बेटी हॉस्पिटल में खाना लेकर आई थी।

आजमगढ़ के रहने वाले युवक ने बताया कि वह 4 साल से गोरखपुर में किराये पर रहकर ई-रिक्शा चलाते हैं।

10 बजे के करीब घर के लिए निकली

पिता ने बताया- बहन को खाना खिलाने के बाद 10 साल की बेटी रात 10 बजे के करीब घर के लिए निकली। बहुत देर बीतने के बाद जब घर नहीं पहुंची तो हॉस्पिटल जाकर पता किए। वह वहां भी नहीं थी। हमने इधर-उधर पूछताछ की। हर जगह ढूंढा, लेकिन कहीं मिली।

आरोपी ने पूछा- कोई घर चलेगा

हॉस्पिटल में एडमिट 13 साल की बहन ने बताया कि मेरी छोटी बहन खाना लेकर आई थी। हम लोग बाहर बैठ कर खा रहे थे। तभी एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में आया और पूछने लगा कहां रहती हो। हम लोगों ने अपना पता बताया तो फिर उसने पूछा कि किसी को घर चलना हो तो बताओ, चलो मैं छोड़ देता हूं। एडमिट बहन ने कहा कि मैं नहीं जाउंगी, मेरी बहन ही जाएगी। तब से वह वर्दी वाला व्यक्ति उसके पीछे पड़ गया। पानी लेने जा रही थी तो उसके पीछे जा रहा था। अंत में जब वह घर के लिए निकलने लगी तो उसके पीछे-पीछे कुछ दूर तक गया।

शिष्यों ने रास्ते पर फूल बिछाए, काशी में मुस्लिमों ने संत की आरती उतारी

प्रेमानंद महाराज गुरु पूर्णिमा पर राधारानी स्वरूप में दिखे

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। यूपी में आज गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जा रहा है। मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज ने शिष्यों को राधारानी स्वरूप में दर्शन दिए। शिष्यों ने गुरु के स्वागत के लिए 50 मीटर तक रास्ते में फूल बिछाए और उन्हें दंडवत प्रणाम किया। आरती उतारी।

सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में महायोगी गुरु गोरखनाथ की पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इधर, अयोध्या में 100 मंदिरों को फूलों से सजाया गया है। यहां 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। सुबह से श्रद्धालु सरयू घाटों पर स्नान कर रहे हैं। वाराणसी में जगद्गुरु बाबा बालक दास की मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आरती उतारी और उनका आशीर्वाद लिया। यहां घाटों पर भी गंगा स्नान के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी है। प्रयागराज में सनातनी किन्नर अखाड़े ने गुरु वंदना यात्रा निकाली। आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि रथ पर सवार रहीं।

गुरु पूर्णिमा वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के केलीकुज आश्रम में भव्य आयोजन हुआ। फूलों से सजे पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। प्रवेश मार्ग पर गुलाब की पंखुड़ियां बिछाई गईं। कार्यक्रम में गुरु वंदना, पूजा और पुष्प अर्पण किया गया। श्रद्धालुओं ने संत प्रेमानंद के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। पूरे आयोजन में भजन, जयकारों और श्रद्धा का माहौल बना रहा।

वाराणसी में भाजपा महासचिव दुष्यंत कुमार ने किया संत रविदास का दर्शन-पूजन

वाराणसी में भारतीय जनता पार्टी के महासचिव दुष्यंत कुमार ने सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास मंदिर पहुंचकर दर्शन और पूजन किया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज संत रविदास की जन्मस्थली से उनके चरणों की पवित्र मिट्टी देश के विभिन्न राज्यों में भेजी जाएगी। उन्होंने इसे संत रविदास के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को देशभर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे परिसर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

बिना लाइसेंस चल रहा मेडिकल स्टोर सील

58 हजार की दवाएं जब्त, एक दवा का नमूना जांच को भेजा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ में अवैध मेडिकल स्टोरों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कार्रवाई की। बुधवार दोपहर 1 बजे एक बिना लाइसेंस संचालित मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। छापेमारी के दौरान करीब 58 हजार मूल्य की दवाएं जब्त की गईं, जबकि एक संदिग्ध दवा का नमूना जांच के लिए भेजा गया है।

यह कार्रवाई जिलाधिकारी के निर्देश पर गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। औषधि निरीक्षक शिव कुमार नायक ने बताया कि सहायक आयुक्त औषधि, प्रयागराज मंडल के निर्देश पर फतेहपुर के औषधि निरीक्षक संजय दत्त के साथ ग्राम बरहूपुर में संयुक्त छापेमारी की गई।

जांच के दौरान बिना नाम से संचालित मेडिकल स्टोर अवैध रूप से चलता मिला। कार्रवाई के समय फर्म संचालक प्रदीप कुमार सरोज, पुत्र अमर पाल, निवासी सुलतानपुर, मौके पर मौजूद थे। टीम ने स्टोर से लगभग 58 हजार मूल्य की दवाएं जब्त कर लीं और एक संदिग्ध दवा का नमूना परीक्षण के लिए संग्रहित किया। औषधि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विवेचना पूरी होने और दवा की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद सक्षम न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खुलासा : प्रयागराज में छात्रों के प्रदर्शन में उपद्रव करने वालों में एक भी छात्र नहीं

'कोई हिस्ट्रीशीटर तो कोई ओयो होटल संचालक'

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए उपद्रव और तोड़फोड़ के मामले में गिरफ्तार 10 आरोपियों को लेकर पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक भी व्यक्ति छात्र नहीं है। न तो किसी ने नीट परीक्षा दी है और न ही किसी अन्य प्रतियोगी परीक्षा में शामिल हुआ है। आरोपियों में हिस्ट्रीशीटर, होटल संचालक, निजी काम करने वाले युवक और कारोबारी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में नैनी के अरैल निवासी आशीष यादव भी शामिल है, जो हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ पहले से एक युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का मुकदमा दर्ज है। कुछ समय पहले उसका एक अश्लील वीडियो भी वायरल हुआ था। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि हाल ही में उसकी हिस्ट्रीशीट खोली गई थी।

एक अन्य आरोपी दिलशाद मरियाडीह गांव का निवासी है। पुलिस के मुताबिक वह बिना नंबर प्लेट और ब्लैक फिल्म लगी थार गाड़ी से प्रदर्शन स्थल पर पहुंचा था। उस पर सुभाष चौराहे पर स्टंट करने और उपद्रव में शामिल होने का आरोप है। पूछताछ में उसने खुद को दूध का व्यवसायी बताया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभिषेक सोनकर हंडिया का रहने वाला है और फल-सब्जी का कारोबार करता है। वहीं मोहम्मद सूफियान अनाज और सब्जियों की सप्लाई का काम करता है। जबकि मोहम्मद वैश,

छात्रों के आंदोलन में उपद्रव करने के आरोप में गिरफ्तार 10 युवक।

खुद को आर्किटेक्ट बताकर पुलिस को किया गुमराह

गिरफ्तार आरोपियों में कैंट क्षेत्र का रहने वाला कारगिल सिंह भी शामिल है। पूछताछ के दौरान उसने खुद को आर्किटेक्ट बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछताछ में पता चला कि वह निजी कार्य करता है। पुलिस का आरोप है कि मिलन होटल के पास पूर्व सांसद रमेश चंद्र द्विवेदी की फॉर्च्यूनर कार में तोड़फोड़ की घटना में वह शामिल था। उसकी तस्वीर सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हुई है।

जांच में सामने आया कि आरोपी अवनीश यादव सोरांव क्षेत्र का निवासी है और बहरिया के बक्सेढ़ा में एक लॉज संचालित करता है, जिसका नाम 'ग्रैंड होटल' बताया गया है। वहीं सरायममरेज निवासी अमर यादव एक होटल में सफा-ईकर्मी का काम करता है।

8 साल के बच्चे की मौत के बाद हाईवे जाम शव रखकर प्रदर्शन

पुलिस की ग्रामीणों से नोकझोंक ड्राइवर की गिरफ्तारी की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 8 साल की छात्रा ऋतिका की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा किया। उन्होंने बुधवार शाम अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर छात्रा का शव रखकर जाम लगा दिया। आरोपी ट्रैक्टर चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

सूचना पर पुलिस अधिकारियों के साथ फोर्स मौके पर पहुंची। लोगों को समझाने की कोशिश की। इस दौरान गांव वालों और पुलिस की नोकझोंक हुई। पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र का है।

हादसा बुधवार दोपहर करीब एक बजे हुआ। भंगवा गांव निवासी राजू गौतम की 8 साल की बेटी ऋतिका रेलवे फील्ड स्थित रॉयल अतुल एकेडमी में कक्षा एक की छात्रा थी। वह अपने भाई के साथ स्कूल से घर लौट रही थी। इसी दौरान गांव में रियाज प्रधान के घर के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी।

हादसे में गंभीर रूप से घायल ऋतिका को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद नगर कोतवाली पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर शव का पोस्टमार्टम कराया। बुधार शाम शाम करीब 5:30 बजे परिजन और ग्रामीण शव लेकर अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक आरोपी चालक की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

125 दिन रोजगार, 300 प्रतिदिन मजदूरी और 318 प्रकार के कार्यों की जानकारी

ग्रामीण विकास की नई रूपरेखा पर मंथन

आयोजन

- 'विकसित भारतझजी-राम-जी अधिनियम, 2025' को लेकर पंच सम्मेलन
- जिलाधिकारी ने ब्लॉक स्तर तक जागरूकता अभियान चलाने के दिए निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पंच सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में ॽविकसित भारत–जी-राम-जी (VB-G RAM G) अधिनियम, 2025 के प्रमुख प्रावधानों, नई व्यवस्थाओं और क्रियान्वयन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। इस दौरान विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि यह व्यवस्था एक जुलाई 2026 से लागू हो चुकी है। इसके तहत ग्रामीण परिवारों को अब 100 दिनों के बजाय 125 दिनों के अकुशल रोजगार की गारंटी मिलेगी। साथ ही मजदूरी 300 प्रतिदिन निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि अनुमन्य कार्यों की संख्या 266 से बढ़ाकर 318 कर दी गई है, जिन्हें जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत ढांचा, ग्रामीण आजीविका और आपदा प्रबंधन जैसी चार प्रमुख श्रेणियों में शामिल किया गया है। सम्मेलन में बताया गया कि ग्राम पंचायतों का श्रेणीवार वर्गीकरण, अग्रिम धनराशि आवंटन, कंटीजेंसी व्यय को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत करना, योजना को पीएम गति शक्ति से जोड़ना तथा जॉब कार्ड के स्थान पर जनता कार्ड लागू करना जैसे कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार इन बदलावों से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और कार्यों की गति में सुधार आएगा।

ब्लॉक स्तर पर भी होंगे प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिनियम की जानकारी केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक विकास खंड स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित कर ग्राम प्रतिनिधियों और आम लोगों को इसके बारे में विस्तार से बताया जाए। उन्होंने कहा कि योजना से जुड़ी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

'ग्राम प्रशासकों की भूमिका अब और महत्वपूर्ण'

जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा ने कहा कि नए अधिनियम के तहत ग्राम प्रशासकों की जिम्मेदारियां पहले से अधिक बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब प्रत्येक पात्र परिवार तक इसकी जानकारी पहुंचे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से गांव-गांव जाकर लोगों को योजना के प्रावधानों से अवगत कराने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों के दौरान 60 दिनों के कृषि अवकाश का प्रावधान किया गया है, जिससे खेती और रोजगार दोनों प्रभावित न हों।

'समर्थ' से संवरेंगे हुनर, टांडा के बुनकरों को मिलेगा आत्मनिर्भरता का नया आधार

जामदानी बुनाई से रोजगार और उद्यमिता को मिलेगी नई दिशा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हस्तकरघा उद्योग की पारंपरिक पहचान को नई तकनीक और कौशल से जोड़ने की दिशा में टांडा में बुधवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हैंडलूम) के अंतर्गत बुनकर सेवा केंद्र, वाराणसी द्वारा समर्थ योजना के तहत 45 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने किया। प्रशिक्षण में 30 बुनकरों को आधुनिक तकनीक के साथ पारंपरिक बुनाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। समर्थ योजना के तहत प्रशिक्षण पूरा करने वाले प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को 300 प्रतिदिन की दर से प्रशिक्षण भत्ता भी दिया जाएगा। इससे प्रशिक्षण अवधि में प्रतिभागियों को आर्थिक सहयोग मिलेगा और अधिक से अधिक बुनकर इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि टांडा की जामदानी बुनाई देशभर में अपनी अलग पहचान रखती है। प्रशिक्षण के बाद बुनकर अपने कौशल को निखारकर स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना समेत विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बिना ब्याज ऋण लेकर अपना उद्यम शुरू या विस्तारित किया जा सकता है, जिससे स्थानीय हस्तकरघा उद्योग को भी नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में बुनकर सेवा केंद्र, वाराणसी के सहायक निदेशक गोपाल, तकनीकी अधीक्षक आशिफ अली, वरिष्ठ बुनकर जय प्रकाश, चंद्र प्रकाश यादव, आफताब सहित बड़ी संख्या में बुनकर और प्रशिक्षार्थी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य बुनकरों और युवाओं की तकनीकी दक्षता बढ़ाकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को हैंडलूम क्षेत्र की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और कार्यकुशलता में वृद्धि हो सके।

फास्ट न्यूज

विश्व प्राकृतिक संरक्षण दिवस पर हरियाली का संकल्प

अंबेडकरनगर। विश्व प्राकृतिक संरक्षण दिवस के अवसर पर रामनगर क्षेत्र में नव्या ग्रीन फाउंडेशन और आदर्श मानव समाज सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज-सेवियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

ताज तिराहे पर सम्मान समारोह बना सामाजिक सौहार्द का संदेश

अम्बेडकरनगर। टाण्डा के ताज तिराहे पर आयोजित सम्मान समारोह केवल अभिनंदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक एकता, जनसेवा और आपसी भाईचारे का संदेश भी दे गया। अंजुमन मुहब्बाने मुस्तफा कस्बा पश्चिम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रेस क्लब के ऑडिटर एवं सूचना न्यूज़ के एडिटर (मान्यता प्राप्त पत्रकार) फखरे आलम खान को अंगवस्त्र और पुष्पमालाओं से सम्मानित किया गया। इस दौरान अलीगंज थानाध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय, कस्बा चौकी प्रभारी राजेश यादव और चिकित्सक डॉ. मोहम्मद आतिफ अंसारी का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

नंद बाबा दुग्ध मिशन के तहत 28 लाभार्थियों का चयन

अंबेडकरनगर। नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ई-लॉटरी प्रक्रिया संपन्न हुई। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रंजीत सिंह की देखरेख में आयोजित लॉटरी में पात्र आवेदकों का चयन पारदर्शी तरीके से किया गया।

51 की उम्र, अटूट संकल्प गृहस्थी संभालते हुए कांती यादव ने फतह की टीजीटी परीक्षा

कठिन परिश्रम से हासिल की शिक्षक बनने की मंजिल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सफलता उम्र की मोहताज नहीं होती, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और निरंतर प्रयास उसका आधार बनते हैं। इसका सशक्त उदाहरण अकबरपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम कटांत मजीसा की निवासी 51 वर्षीय कांती यादव ने प्रस्तुत किया है। गृहस्थी की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश एजुकेशन सर्विस सेलेक्शन कमीशन (UPESSC) की टीजीटी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर नई मिसाल कायम की है।

कांती यादव, पत्नी विजेंद्र यादव, ग्राम कटांत मजीसा, पोस्ट रामपुर राम पट्टी बरियावन की निवासी हैं। परिवार की जिम्मेदारियों के साथ उन्होंने घर पर रहकर नियमित अध्ययन जारी रखा। सीमित समय और घरेलू कार्यों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया और कठिन परिश्रम के बल पर प्रतियोगी परीक्षा में सफलता अर्जित की। टीजीटी परीक्षा में मिली सफलता उनके वर्षों के सतत प्रयास और आत्मविश्वास का परिणाम है। उन्होंने यह साबित किया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो, तो परिस्थितियां भी सफलता की राह नहीं रोक सकतीं।

कांती यादव की सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों, शुभचिंतकों और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उनकी उपलब्धि उन महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है, जो पारिवारिक दायित्वों के साथ अपने सपनों को साकार करने का साहस रखती हैं।

रेल सुविधाओं को लेकर सांसद लालजी वर्मा ने खोला मोर्चा

रेल मंत्री को भेजा मांगपत्र, नई ट्रेनें, ठहराव और स्टेशन सुविधाओं के विस्तार की उठाई मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। संसदीय क्षेत्र में रेल सेवाओं के विस्तार और यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सांसद लालजी वर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को विस्तृत मांगपत्र भेजा है। उन्होंने नई ट्रेनों के संचालन, प्रमुख ट्रेनों के ठहराव, बंद पड़ी पैसेंजर ट्रेनों के पुनः संचालन तथा रेलवे स्टेशनों पर बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की मांग की है।

सांसद ने पत्र में कहा कि अकबरपुर, अंबेडकरनगर और अयोध्या धाम से नई दिल्ली के लिए कोई सीधी रेल सेवा उपलब्ध नहीं है। अयोध्या धाम देश का प्रमुख धार्मिक स्थल होने के कारण यहां यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए उन्होंने अयोध्या से नई दिल्ली के बीच नई ट्रेन संचालित करने का अनुरोध किया है। मांगपत्र में टांडा से प्रयागराज तक नई यात्री ट्रेन चलाने का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही कटेहरी, जाफरगंज और अलनाभारी स्टेशनों को जोड़ते हुए पैसेंजर ट्रेन संचालित करने की मांग की गई है। सांसद ने बंद हो चुकी लखनऊ–वाराणसी पैसेंजर और अयोध्या कैंट–पंडित दीनदयाल उपाध्याय पैसेंजर ट्रेनों को पुनः शुरू करने का भी आग्रह किया। सांसद लालजी वर्मा ने अकबरपुर और गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की।

अकबरपुर समेत प्रमुख स्टेशनों पर सुविधाएं बढ़ाने का आग्रह

सांसद ने अकबरपुर जंक्शन, अयोध्या धाम, अयोध्या कैंट और गोसाईगंज रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार की मांग की है। उन्होंने अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर प्रतीक्षालय, एस्केलेटर, लिफ्ट, कोच इंडिकेटर तथा स्टेशन के पूर्वी छोर पर रेलवे क्रॉसिंग के स्थान पर अंडरपास निर्माण कराने का भी अनुरोध किया है।

स्थायी लोक अदालत की सेवाओं को लेकर जागरूकता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बुधवार को स्थायी लोक अदालत की जनोपयोगी सेवाओं के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देश पर पराविधिक स्वयंसेवकों ने जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पंपलेट चस्पा कर लोगों को स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली और उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। अभियान के तहत जनपद न्यायालय परिसर, बार एसोसिएशन, कलेक्ट्रेट, जिला चिकित्सालय, किशोर न्याय बोर्ड, तहसील अकबरपुर, पारिवारिक न्यायालय, बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर स्थायी लोक अदालत की जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित पंपलेट लगाए गए। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक वैकल्पिक विवाद निस्तारण व्यवस्था की जानकारी पहुंचाना रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव (पूर्णकालिक) नीलम वर्मा ने बताया कि स्थायी लोक अदालत जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों के त्वरित, सरल और सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी मंच है। यहां बिजली, पानी, बीमा, अस्पताल, परिवहन, डाक विभाग, हवाई एवं समुद्री यातायात, टेलीग्राफ और बैंकिंग सेवाओं से संबंधित विवादों का निस्तारण किया जाता है।

- जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों के त्वरित समाधान के लिए जिलेभर में लगाए गए जागरूकता पंपलेट

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट

78 सेक्टर, 9 स्टैटिक जोन, घाटों पर तीन-स्तरीय बैरिकेडिंग

- महादेवा घाट से चौहड़ाघाट तक विशेष निगरानी, बिजली, स्वच्छता, चिकित्सा और ट्रैफिक व्यवस्था पर फोकस

तमसा संकेत, संवाददाता

डीएम-एसपी ने जनप्रतिनिधियों संग बनाया सुरक्षा का ब्लूप्रिंट

> जिलाधिकारी ने सभी सुझावों पर तत्काल अमल के निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांवड़ मार्गों पर किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

अम्बेडकरनगर। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक रणनीति तैयार कर ली है। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा समेत जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सुरक्षा, यातायात, बिजली, स्वच्छता, स्वास्थ्य, जल सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायतों से निकलने वाली कांवड़ यात्राओं के मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, साफ-सफाई और शिवालयों तक सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। एमएलसी हरिओम पांडे ने कहा कि ग्राम पंचायतों से शिवालयों तक पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। विधायक धर्मराज निषाद और जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा ने भी सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के सुझाव दिए। प्रशासन ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान पूरे जनपद को 78 सेक्टर और 9 विशेष स्टैटिक सेक्टर में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा प्रत्येक स्टैटिक सेक्टर में स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती रहेगी। जिला और तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जबकि सीमावर्ती जनपदों के साथ भी समन्वय व्यवस्था बनाई गई है। प्रमुख तिथियों पर यातायात डायवर्जन, पार्किंग और वैकल्पिक मार्गों की विस्तृत कार्ययोजना भी तैयार कर ली गई है। महादेवा घाट, चौहड़ाघाट तथा अन्य प्रमुख नदी घाटों और जलाशयों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। महादेवा घाट पर तीन-स्तरीय बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती, स्वयंसेवकों की निगरानी तथा फिसलन रोकने के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। साथ ही अन्य संवेदनशील घाटों पर भी बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी।

कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी, कई मार्गों पर रहेगा डायवर्जन

एसपी प्राची सिंह ने जारी की एडवाइजरी, भारी वाहनों पर चरणबद्ध रोक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा, शिवरात्रि, नागपंचमी और मणिपर्वत मेले के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस ने विस्तृत डायवर्जन प्लान जारी किया है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि विभिन्न तिथियों पर भीड़ को देखते हुए भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा, जबकि हल्के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार श्रावण मास के दूसरे सोमवार (10 अगस्त) और शिवरात्रि (11 अगस्त) के मद्देनजर 8 अगस्त सुबह 8 बजे से 12 अगस्त सुबह 8 बजे अथवा भीड़ समाप्त होने तक डायवर्जन प्रभावी रहेगा।

मणिपर्वत मेला (15 अगस्त) और तीसरे सोमवार व नागपंचमी (17 अगस्त) के अवसर पर 14 अगस्त सुबह 8 बजे से 17 अगस्त रात्रि 11 बजे अथवा भीड़ समाप्त होने तक यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। चौथे एवं अंतिम सोमवार (24 अगस्त) के लिए 23 अगस्त सुबह 8 बजे से 24 अगस्त रात्रि 11 बजे तक तथा श्रावण पूर्णिमा एवं मेला समापन (28 अगस्त) के लिए 27 अगस्त सुबह 8 बजे से 28 अगस्त रात्रि 11 बजे अथवा भीड़ समाप्ति तक डायवर्जन लागू रहेगा।

एसपी ने बताया कि सुल्तानपुर, वाराणसी, जौनपुर, आजमगढ़, संतकबीरनगर, बस्ती तथा लखनऊ-कानपुर की ओर से आने वाले अधिकांश भारी वाहनों को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के जरिए उनके गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। मालीपुर, कटका, राजेसुल्तानपुर, महरुआ और बेवाना क्षेत्र से भारी वाहनों के प्रवेश पर भी निर्धारित अवधि में प्रतिबंध रहेगा।

अयोध्या की ओर जाने वाले हल्के वाहन यादव नगर, मिझौड़ा चौराहा, महरुआ और गोहन्ना मार्ग का उपयोग करेंगे। बसखारी, जलालपुर और मालीपुर की ओर से आने वाले हल्के वाहनों को भी अकबरपुर बाईपास होते हुए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा।

सचिव विहीन असाइतपुर कला सहकारी समिति

खाद-बीज के लिए भटक रहे किसान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। खरीफ सीजन के दौरान असाइतपुर कला सहकारी समिति में सचिव का पद रिक्त होने से किसानों को खाद और बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था प्रभावित हो गई है। समय पर कृषि सामग्री नहीं मिलने से किसानों को दूसरी समितियों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे खेती के कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, समिति के पूर्व सचिव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने के बाद उनका कार्य प्रभावित हो गया। इसके बाद से समिति में नए सचिव की नियुक्ति नहीं हो सकी है। सचिव के अभाव में समिति का नियमित संचालन बाधित है, जिसका सीधा असर किसानों को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि खरीफ की बुवाई के समय खाद और बीज की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे समय में समिति का सुचारु रूप से संचालित न होना उनकी मुश्किलें बढ़ा रहा है। कई किसानों को जरूरत की सामग्री के लिए अन्य सहकारी समितियों का सहारा लेना पड़ रहा है। एआर (सहकारिता) राघवेंद्र शुक्ला ने बताया कि असाइतपुर कला सहकारी समिति में नए सचिव की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि तब तक वे आसपास की सहकारी समितियों से खाद और बीज प्राप्त कर खेती के कार्य जारी रखें।

पड़ताल : प्रभारी निरीक्षक समेत कई कर्मचारी जांच के दायरे में

फायर विभाग में शिकायतों पर बड़ी जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के फायर विभाग में लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद विभागीय स्तर पर बड़ी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देश पर फायर विभाग के प्रभारी निरीक्षक सचिन शर्मा समेत कई कर्मचारियों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच कराई जा रही है। मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में सीओ सिटी नीतीश कुमार को सौंपी गई है, जो जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजेंगे।

जानकारी के अनुसार चालक महेश मिश्रा की लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनाती भी जांच के प्रमुख बिंदुओं में शामिल है। चर्चा है कि वह करीब 24 से 25 वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं। यह भी कहा जा रहा है कि उनका अन्य जनपद में स्थानांतरण होने के बावजूद उन्होंने वहां कार्यभार ग्रहण नहीं किया। हालांकि इन तथ्यों की पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। इसी तरह सिपाही सुनील मौर्य और राहुल मौर्य से जुड़े वायरल वीडियो भी जांच के दायरे में शामिल किए गए हैं। राहुल मौर्य के एक वायरल वीडियो में सिलेंडर से संबंधित गतिविधियों को लेकर सवाल उठाए गए थे। इन सभी पहलुओं की जांच कर तथ्य जुटाए जा रहे हैं। सूत्रों के हवाले से यह भी चर्चा है कि जांच शुरू होने के बाद विभाग के कुछ अधिकारी और कर्मचारी आपसी स्तर पर मामले को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही संबंधित अधिकारियों की ओर से इस पर कोई बयान जारी किया गया है।

एसपी के निर्देश पर सीओ सिटी को सौंपी गई जांच, वायरल वीडियो और लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनाती समेत कई बिंदुओं की होगी पड़ताल

कई कर्मचारियों के नाम जांच के दायरे में

सूत्रों के अनुसार जांच के दायरे में प्रभारी निरीक्षक सचिन शर्मा के अलावा चालक महेश मिश्रा, सिपाही सुनील मौर्य, राहुल मौर्य, रामविलास, आशीष दुबे समेत करीब आठ कर्मचारियों के नाम शामिल हैं। अधिकारियों तक विभिन्न शिकायतें पहुंचने के बाद पूरे मामले की जांच कराने का निर्णय लिया गया।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जांच अधिकारी को पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यपरक जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मिशन शक्ति टीम की तत्परता से 14 वर्षीय बालिका सकुशल बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। घर से नाराज होकर चली गई 14 वर्षीय बालिका को कोतवाली अकबरपुर की मिशन शक्ति पुलिस टीम ने कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बालिका के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

पुलिस के अनुसार बुधवार को डायल-112 और चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 के माध्यम से सूचना मिली कि एक 14 वर्षीय बालिका घर से नाराज होकर कहीं चली गई है। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति टीम सक्रिय हो गई और संभावित स्थानों पर उसकी तलाश शुरू की गई। तलाश के दौरान मिशन शक्ति टीम ने रेलवे स्टेशन के पास एक फल की दुकान पर बालिका को अकेले बैठे हुए सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद उसे सुरक्षित कोतवाली लाया गया और परिजनों को सूचना दी गई। थाना कोतवाली अकबरपुर में आवश्यक पूछताछ और विधिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बालिका को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों ने समय रहते बालिका को सुरक्षित खोज निकालने पर अंबेडकरनगर पुलिस और मिशन शक्ति टीम की सराहना की। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में संचालित मिशन शक्ति अभियान के तहत की गई।

- घर से नाराज होकर निकली थी किशोरी, रेलवे स्टेशन के पास मिली परिजनों को सुरक्षित सौंपा गया

सम्पादकीय

अराजकता का बचाव

कॉंग्रेस... करोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जहां पुलिस के अत्यधिक बल प्रयोग की जांच करने की जरूरत जताई, वहीं नाबालिग छात्रों और ऐसे अन्य लोगों को राहत देने का भी निर्देश जारी किया, जिनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि न हो। उसने यह जो स्पष्ट किया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को किसी तरह की राहत नहीं दी जा सकती, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग पुलिस पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को भी माफी देने की मांग कर रहे थे।

यदि इस आवश्यकता की पूर्ति नहीं होती तो उन तत्वों को बल ही मिलता, जो आंदोलन के दौरान अराजकता का सहारा लेने के आदी हो गए हैं। संविधान शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन की अनुमति देता है, न कि अराजक आंदोलन को। सीजेपी के संसद मार्च में हिंसा इसीलिए हुई, क्योंकि उसके समर्थकों की भीड़ में कुछ ऐसे तत्व भी थे, जिन्होंने पुलिस पर पथराव किया और जो बैरिकेडिंग तोड़कर बिना अनुमति संसद भवन की ओर जाने को आमादा थे। इसी कारण पुलिस बल प्रयोग को बाध्य हुई। जैसे पुलिस की आवश्यकता से अधिक सख्ती स्वीकार्य नहीं हो सकती, वैसे ही भीड़ की अराजकता भी। यदि भीड़ अराजकता नहीं दिखाती तो पुलिस को बल प्रयोग की जरूरत ही क्यों पड़ती?

यह खतरनाक है कि सीजेपी के लोगों को सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश रास नहीं आया कि आपराधिक अतीत वाले उन तत्वों को राहत नहीं मिलेगी, जिन्होंने हिंसा फैलाने के साथ पुलिस पर हमला किया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उनकी आपत्ति उनके इस दावे की पोल खोलती है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के पक्षधर हैं। आखिर कोई अराजक तत्वों का बचाव कर शांतिपूर्ण आंदोलन कैसे कर सकता है?

अपने संसद मार्च में हिंसा पर सीजेपी प्रवक्ताओं का कहना था कि उनके समर्थकों में कुछ अराजक तत्व घुस आए थे। अब यदि इन तत्वों को दंड का भागीदार बनाने की बात हो रही है तो सीजेपी को कष्ट क्यों हो रहा है? क्या वे उनसे मिले हुए हैं? क्या वे इससे अनजान हैं कि प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं? आखिर ये पुलिसकर्मी कैसे चोटिल हो गए? सीजेपी के समर्थकों की भीड़ में अराजक तत्व भी शामिल थे, इसकी पुष्टि इससे होती है कि दिल्ली पुलिस ने फेस रिकग्निशन सिस्टम के जरिये यह पाया कि संसद मार्च के समय जंतर-मंतर और आसपास 2,873 ऐसे लोग थे, जिनका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। इनमें से नौ सौ के करीब ऐसे हैं, जिन पर हत्या, लूट और दुष्कर्म जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। ऐसे लोगों को राहत देने की मांग करना अराजकता का खुलकर समर्थन करना ही है। उनका रवैया कानून के शासन को चुनौती देने जैसा है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की 09 वर्षों में हुई उल्लेखनीय प्रगति

> सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में शादी अनुदान अनुदान योजना भी विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। इस योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 4,964 जोड़ों को रु. 992.80 लाख का लाभ प्रदान किया गया है।

शैक्षिक उन्नयन, आर्थिक रहा है। विगत 09 वर्षों में सामाजिक सुरक्षा, कौशल पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग लखनऊ सामाजिक न्याय, सशक्तीकरण तथा समावेशी विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, विकास और आर्थिक सहायता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की गई हैं। विभाग की योजनाओं ने पिछडे वर्ग के लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है।

शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की है। विभाग द्वारा संचालित पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 2,01,414 छात्रों को रु0 421.20 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने में सहायता प्रदान की और विद्यालयी शिक्षा को प्रोत्साहन मिला।

इसी प्रकार दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 2,91,263 छात्रों को रु0 12,026.36 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इससे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को आर्थिक संबल मिला तथा पिछडे वर्ग के छात्रों की उच्च शिक्षा में भागीदारी बढी ।

दशमोत्तर शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 2,69,954 छात्रों को रु0 55,343.84 लाख की शुल्क प्रतिपूर्ति उपलब्ध कराई गई। इस योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए उच्च, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के द्वार खोले और प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया।

यदि इन तीनों प्रमुख शैक्षिक योजनाओं को सम्मिलित रूप से देखा जाए तो कुल 7,62,631 छात्रों को लाभान्वित करते हुए लगभग रु0 67,791.40 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के क्षेत्र में भी विभाग ने उल्लेखनीय कार्य किया है। O-Level एवं CCC लेवल प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 4,255 छात्रों को रु0 529.22 लाख की लागत से प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा और तकनीकी दक्षता युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़ने तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुई है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर पिछड़े वर्ग परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग देकर सामाजिक सुरक्षा और सम्मान-जनक सहायता प्रदान कर रही है।

यदि छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, शादी अनुदान और कौशल विकास योजनाओं को एक साथ देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि विभाग केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, सामाजिक संरक्षण और रोजगारपरक सशक्तीकरण का व्यापक मॉडल प्रस्तुत कर रहा है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति और अन्य योजनाओं की प्रक्रिया को ऑनलाइन एवं पारदर्शी बनाया गया है। आवेदन, सत्यापन और डीबीटी के माध्यम से लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से मिल रहा है।

विभाग द्वारा स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में भी कार्य किया गया है। पिछडा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से विभिन्न ऋण योजनाओं, मार्जिन मनी सहायता और उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रमों से युवाओं और कारीगरों को जोड़ा गया है। इससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिला और आत्मनिर्भरता को बल मिला।

पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े समुदायों के उत्थान हेतु भी विभाग ने प्रशिक्षण, उपकरण सहायता और वित्तीय सहयोग प्रदान किया है। इससे कारीगरों और लघु उद्यमियों की आजीविका सुदृढ़ हुई है।

महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में विभाग की योजनाओं का विशेष प्रभाव देखा गया है। महिला लाभार्थियों को प्रशिक्षण, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ाई गई है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी योजनाओं का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचाया गया है।

विभाग की उपलब्धियों में नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय-समय पर योजनाओं की समीक्षा कर पात्र लाभार्थियों तक लाभ सुनिश्चित किया गया है। पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की यह व्यवस्था विभागीय कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाती है।

पिछले 09 वर्षों की प्रगति दर्शाती है कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग लखनऊ ने शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। लाखों विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, हजारों युवाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण और हजारों जरूरतमंद परिवारों को शादी अनुदान प्रदान कर विभाग ने सामाजिक न्याय को मजबूत किया है।

आज विभाग की योजनाएं केवल सहायता कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और अवसर की समानता का माध्यम बन चुकी हैं। शिक्षा से लेकर रोजगार और सामाजिक सुरक्षा तक विभाग की बहुआयामी पहलें पिछड़े वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक सिद्ध हो रही है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पिछडा वर्ग कल्याण विभाग लखनऊ ने विगत 09 वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। 2,01,414 छात्रों को पूर्वदशम छात्रवृत्ति, 2,91,263 छात्रों को दशमोत्तर छात्रवृत्ति, 2,69,954 छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति, 4,964 जोड़ों को शादी अनुदान तथा 4,255 युवाओं को O-Leve एवं CCC प्रशिक्षण प्रदान कर विभाग ने सामाजिक और शैक्षिक सशक्तीकरण की दिशा में प्रभावशाली कार्य किया है। यह उपलब्धियां लखनऊ के समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और जनकल्याण की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती हैं।

आदर अदीब पावेल बन्धु

गुरु पूर्णिमा व 267 वां तेरापंथ स्थापना दिवस

गुरु पूर्णिमा व 267 वें तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मेरी भावपूर्ण -विनयांजलि तेरापंथ का उदय मानो स्वर्णिम सूर्योदय हुआ हैं । स्थानकवासी नाम सम्भवतः तब प्रचलित हुआ , जब इस सम्प्रदाय के मुनि स्थानकों में रहने लगे । सुप्रसिद्ध विद्वान आचार्य क्षितिमोहनसेन का स्थानकवासी नाम के विषय में यह अभिमत हैं- बाद में जब लोगों में ठीक रूप से उनकी प्रतिष्ठा हो गईं, तब इस सम्प्रदाय के लोग भिन्न- भिन्न जगहों में अड्डे जमाने लगे और साम्प्रदायिक वैभव खड़ा होने लगा । क्रमशः उनको स्थानक दोष स्पर्श करने लगा । इसलिए उन्हें स्थानकवासी कहने लगे । स्थानकवासी सम्प्रदाय में से तेरापंथ का उद् भव हुआ । आचार्य धर्मदासजी के बाईस शिष्यों में से एक धन्नोजी थे ।उनके तृतीय पट्ट पर आचार्य रूघनाथजी हुए । तेरापंथ के प्रवर्तक आचार्य भीखणजी ने उन्हीं के पास दीक्षा ग्रहण की थी । उन्होंने संघ के आचार- विचार को आगमों के कषोपल पर कस कर देखा, तो अनेक अपूर्णताएं मिली । संगठन के अभाव ने भी उनके मन को झकझोंरा । फलस्वरूप वि . सं. 1817 आषाढ़ पूर्णिमा के दिन तेरापंथ की स्थापना हुई। आदि में तेरह साधु तथा तेरह ही श्रावक थे, अतः इसका नाम तेरापंथ पड़ गया । स्वामीजी ने उस नाम को स्वीकार करते हुए उसका अर्थ किया - हे प्रभो ! यह तेरापंथ हैं । स्वामी भीखणजी ने श्रमण- संघ के जिस सुदृढ़ स्वरूप का स्वप्न देखा था, उसे उन्होंने तेरापंथ में मूर्त रूप दिया । आचार्य- शुद्धि बनाये रखने के लिए उन्होंने अनेक मर्यादाएं की । आगमानुमोदित विचारों की स्थापना के लिए उन्होंने आगम मंथन किया और अनेक नये तथ्यों का उद्घाटन किया । संगठन की दृढ़ता के लिए उन्होंने व्यक्तिगत शिष्य-प्रथा को समाप्त किया और समूचे संघ के लिए एक ही आचार्य का होना मान्य रखा । थोड़े ही दिनों में एक आचार्य, एक आचार और एक विचार के लिए तेरापंथ अन्य श्रमण- संघों के लिए अनुकरणीय बन गया । जैन धर्म में तेरापंथ को अन्तिम सम्प्रदाय कहा जा सकता है । इसके प्रवर्तक स्वामी भीखणजी ने इसकी संगठना में अत्यन्त दूरदर्शिता से काम लिया ।

प्रदीप छाजेड़

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय से विश्व कप तक उन्नाव की दो बेटियों ने लिखी सफलता की नई इबारत

प्रतिभा कभी संसाधनों की मोहताज नहीं होती। उसे केवल सही अवसर, उचित मार्गदर्शन और अपने सपनों पर अटूट विश्वास की आवश्यकता होती है। उत्तर प्रदेश के सरकारी विद्यालयों से निकल रही अनेक प्रेरणादायी कहानियां आज इस सत्य को बार-बार सिद्ध कर रही हैं। कभी आर्थिक अभाव, सामाजिक चुनौतियों और सीमित संसाधनों के बीच जीवन बिताने वाली बेटियां आज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रही हैं। ऐसी ही प्रेरणादायी कहानी है जनपद उन्नाव की दो बेटियों कु0 अर्चना देवी और कु0 निशा वर्मा की, जिन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, औरास से निकल कर क्रिकेट की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इन दोनों बेटियों की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा बालिका शिक्षा, खेल प्रतिभाओं के प्रोत्साहन और समग्र शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जीवंत मिसाल भी है। यह कहानी बताती है कि जब शिक्षा के साथ अवसर और प्रोत्साहन जुड़ते हैं, तब साधारण परिवारों की बेटियां भी असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कर सकती हैं।

हाल ही में 20 जुलाई को दोनों खिलाड़ियों ने लखनऊ स्थित राज्य परियोजना कार्यालय में महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्रीमती मोनिका रानी से भेंट की। यह मुलाकात केवल सम्मान का अवसर नहीं थी, बल्कि सरकारी विद्यालयों में विकसित हो रही प्रतिभाओं की सफलता का प्रतीक भी थी। इस अवसर ने यह संदेश दिया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय अब केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। गांव की मिट्टी से विश्व कप विजेता बनने तक कु0 अर्चना का सफर

जनपद उन्नाव के एक साधारण ग्रामीण परिवार में जन्मी अर्चना देवी का बचपन संघर्षों से भरा रहा। कम उम्र में पिता का साया सिर से उठ गया और आर्थिक कठिनाइयों ने जीवन को और चुनौतीपूर्ण बना दिया। ऐसे हालातों में क्रिकेट जैसे खेल के बारे में सोचना भी उनके लिए आसान नहीं था।

जीवन ने तब नई दिशा ली जब उनका प्रवेश जनपद उन्नाव के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, औरास में हुआ। विद्यालय की शिक्षिका पूनम मैम ने खेल के मैदान में अर्चना की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें नियमित प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया। यही वह क्षण था जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी। निरंतर अभ्यास, अनुशासन और अथक मेहनत के बल पर अर्चना ने अपनी प्रतिभा को निखारा और आगे चलकर आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2023 विजेता भारतीय टीम की सदस्य बनने का गौरव प्राप्त किया। यह उपलब्धि केवल उनके परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय बनी। अर्चना का कहना है कि यदि उन्हें केजीबीवी जैसा वातावरण और शिक्षकों का मार्गदर्शन नहीं मिला होता, तो शायद उनका सपना कभी साकार नहीं हो पाता। आज वे मानती हैं कि खेल की दुनिया में पहचान केवल प्रतिभा, मेहनत और प्रदर्शन से बनती है। इसी विद्यालय की दूसरी होनहार खिलाड़ी निशा वर्मा की कहानी भी उतनी ही प्रेरणादायक है। क्रिकेट खेलने के निर्णय पर उन्हें समाज की अनेक टिप्पणियों और तानों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। लगातार अभ्यास और दृढ़ संकल्प के बल पर निशा उत्तर प्रदेश अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनीं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अक्टूबर 2024 में राष्ट्रीय नॉकआउट प्रतियोगिता के लिए उनका चयन हुआ। यह उपलब्धि उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। निशा का मानना है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो परिस्थितियां कभी सफलता का रास्ता नहीं रोक पाती। अर्चना और निशा अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपनी शिक्षिका पूनम मैम को देती हैं। उन्होंने केवल क्रिकेट की तकनीक नहीं सिखाई, बल्कि दोनों छात्राओं के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करने का साहस भी विकसित किया। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि प्रतिभा किसी भी परिस्थिति से बड़ी होती है और सही मार्गदर्शन मिलने पर हर सपना साकार हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा समग्र शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग के माध्यम से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ खेल, व्यक्तित्व विकास तकनीकी कौशल-विकास और नेतृत्व क्षमता को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। परिणामस्वरूप आज इन विद्यालयों की छात्राएं शिक्षा, खेल, विज्ञान, तकनीकी शिक्षा, प्रशासन और अन्य अनेक क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

बागपत में महिला सशक्तिकरण की धुरी बना राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

उत्तर प्रदेश सरकार की लोककल्याणकारी मंशा और दूरदर्शी नीतियों के अनुरूप ग्रामीण अंचल की महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) जनपद बागपत में सफलता की नई कहानी लिख रहा है। प्रदेश सरकार के निरंतर प्रयासों और मार्गदर्शन में यह मिशन जनपद की हजारों महिलाओं के लिए एक मजबूत संबल और महिला सशक्तिकरण का आधार बनकर उभरा है। जो ग्रामीण महिलाएं कभी अपने परिवार के भरण-पोषण और छोटी-छोटी बुनियादी जरूरतों के लिए पूर्णतः दूसरों पर निर्भर थीं, वे आज प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना से जुड़कर न केवल स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से सफल स्वरोजगार स्थापित कर रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रही हैं। जनपद बागपत में जिला प्रशासन द्वारा प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन करते हुए स्वयं सहायता समूहों को अधिक से अधिक सशक्त बनाने, सुगम बैंक ऋण उपलब्ध कराने, आधुनिक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने, उत्पादों के लिए व्यापक विपणन व्यवस्था (मार्केटिंग) सुनिश्चित करने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए निरंतर अत्यंत प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इन सुनियोजित और प्रतिबद्ध प्रयासों के ही बेहद सकारात्मक और उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं, जिसके फलस्वरूप जनपद में अब तक 64 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं आजीविका मिशन से सीधे जुड़कर आत्मनिर्भरता की राह पर मजबूती से आगे बढ़ी हैं। प्रदेश सरकार की नीतियों की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि इनमें से 15 हजार 702 महिलाएं अब 'लखपति दीदी' के गौरवशाली मुकाम पर पहुंच चुकी हैं, जिनकी वार्षिक आय दो लाख रुपये से लेकर 19 लाख रुपये तक पहुंच गई है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के इस संयुक्त संकल्प को धरातल पर उतारते हुए जनपद बागपत में कुल 28 हजार महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसकी शीघ्र प्राप्ति के लिए जिला प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका मिशन से जुड़ी लगभग 40 हजार महिलाएं अपनी पारंपरिक सीमाओं को तोड़कर विविध प्रकार की आधुनिक और पारंपरिक स्वरोजगार गतिविधियों में सफलतापूर्वक भाग ले रही हैं। ये ऊर्जावान महिलाएं डेयरी विकास, उन्नत पशुपालन, मशरूम उत्पादन, जैविक खेती, किराना एवं सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों का संचालन, ब्यूटी पार्लर, आटा चक्की, शुद्ध मसाला निर्माण, हैंडलूम और रेडीमेड वस्त्र निर्माण जैसे व्यवसायों में परचम लहरा रही हैं। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक त्योहारों से जुड़े राखी निर्माण, इको-फ्रेंडली दोना-पत्तल उत्पादन, भगवान के श्रीविग्रहों के लिए आकर्षक कान्हा ड्रेस निर्माण तथा सिलाई-कढ़ाई जैसी गतिविधियों के माध्यम से ये महिलाएं प्रतिमाह 15 हजार रुपये से लेकर 60 हजार रुपये तक की शानदार नियमित आय अर्जित कर रही हैं। महिलाओं की इस बढ़ती क्रय शक्ति और आय से न केवल उनके परिवारों का जीवन स्तर उन्नत हुआ है और वे आर्थिक रूप से समृद्ध हुए हैं, बल्कि जनपद की स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक अभूतपूर्व गति और नई मजबूती मिली है।

जरा हटके

श्रीकृष्ण और ...

ललित गर्ग

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है- मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है। नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम

से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है- यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है? इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है। विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता।

बसपा प्रमुख मायावती बोलीं- शिक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार की जरूरत, मायावती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा

'सिर्फ सख्त कानून से नहीं रुकेगा पेपर लीक'

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। संसद में पेपर लीक रोकने के लिए सख्त सजा का प्रावधान करने वाला विधेयक पारित होने के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केवल नया कानून बना देने से पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए अपराध होने से पहले उसे रोकने की प्रभावी व्यवस्था और शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार जरूरी हैं। मायावती ने कहा कि पेपर लीक के कारण लाखों छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित होता है और कई मामलों में युवा आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में संसद द्वारा सख्त सजा वाला कानून लाना स्वागतयोग्य है, लेकिन लोगों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि क्या केवल इससे समस्या खत्म हो जाएगी? उनके मुताबिक, सरकार ने जल्दबाजी में कानून तो बना दिया, लेकिन रोकथाम के दूसरे जरूरी उपायों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नया कानून पेपर लीक होने के बाद दोषियों को सजा देने की बात करता है, जबकि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि ऐसी घटनाएं होने ही न पाएं। उनका दावा था कि पहले भी बने कानून प्रभावी साबित नहीं हुए, जिससे स्पष्ट है कि केवल सजा का प्रावधान पर्याप्त नहीं है। उन्होंने संसद में हुई बहस पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर भी अधिकांश राजनीतिक दल दलगत राजनीति से ऊपर नहीं उठ सके। चर्चा के दौरान समस्या के समाधान की बजाय आरोप-प्रत्यारोप अधिक देखने को मिले। ऐसे में लोगों के मन में यह आशंका स्वाभाविक है कि नया कानून कितना प्रभावी साबित होगा।

शैक्षिक सुधारों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत

बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से अपील की कि कानून के साथ-साथ पेपर लीक की रोकथाम के लिए ठोस प्रशासनिक और शैक्षिक सुधारों पर भी गंभीरता से काम किया जाए। उनका कहना था कि तभी देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा और शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा मजबूत होगा।

शिक्षा के समान अवसर मिलने चाहिए

बसपा प्रमुख ने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की जरूरत बताई। कहा कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार, गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक अवसर मिलने चाहिए। शिक्षा के लिए मिलने वाले ऋण को अधिक सुलभ और कल्याणकारी बनाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान का उद्देश्य सभी वर्गों को समान अवसर देना था, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में इसका अभाव दिखाई देता है।

> मायावती ने कहा कि संपन्न परिवारों के बच्चे आर्थिक संसाधनों के बल पर बेहतर शिक्षा हासिल कर लेते हैं, जबकि करोड़ों गरीब परिवारों के होनहार बच्चे अवसरों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। उनके अनुसार, पेपर लीक शिक्षा व्यवस्था की खामियों का सिर्फ एक उदाहरण है, जबकि इसकी जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं।

पूर्व मंत्री की अंतिम यात्रा शुरू होते ही पत्नी बेहोश

भाई ने विधायक के केयरटेकर पर लगाया हत्या का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नानकदीन भुर्जी, मृतक

लखनऊ। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री और पूर्व राज्यमंत्री (दर्जा प्राप्त) नानकदीन भुर्जी की मौत मामले में नया मोड़ आ गया है। उनके छोटे भाई ने बलिया के बेल्थरा रोड विधायक हंसूराम के केयरटेकर मुहम्मद आरिफ पर हत्या का आरोप लगाते हुए हजरतगंज कोतवाली में तहरीर दी है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच और मौके से मिले साक्ष्य आत्महत्या की ओर इशारा कर रहे हैं। मामले में दोनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच जारी है। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को भैंसाकुंड पर हुआ।

मदेयगंज के खदरा स्थित आवास से बुधवार सुबह उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई। इस दौरान उनकी पत्नी मंजू देवी बेहोश हो गईं। महिलाओं ने उन्हें संभाला। दरअसल, नानकदीन भुर्जी की 28 जुलाई, मंगलवार को दारुलशफा स्थित नए विधायक निवास की सातवीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे नानकदीन भुर्जी बेल्थरा रोड से भाजपा विधायक हंसूराम के नए विधायक निवास स्थित आवास पहुंचे थे। उस समय विधायक मौजूद नहीं थे। नानकदीन ने वहां मौजूद हेल्पर से कॉफी लाने के लिए कहा और कमरे में बैठ गए। पुलिस के अनुसार, हेल्पर जब कॉफी लेकर वापस लौटा तो नानकदीन कमरे में नहीं थे। इसी दौरान बाहर शोर-शराबा सुनाई दिया। लोग नीचे पहुंचे तो नानकदीन भुर्जी गंभीर हालत में जमीन पर पड़े मिले।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में घर में घुसकर बदमाशों ने मोबाइल चुराए

लखनऊ । गुडंबा में बाइक सवार बदमाश घर में घुसकर चार मोबाइल फोन लूट ले गए। घटना 27 जुलाई की सुबह करीब 6:30 बजे की है। दो युवक बाइक से घर के बाहर पहुंचे। इनमें से एक युवक घर के अंदर घुसा और चार मोबाइल लेकर फरार हो गया, जबकि उसका साथी बाहर बाइक पर इंतजार करता रहा। पूरी घटना मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सारनाथ वाराणसी में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश तथा महाबोधि सोसाइटी ऑफ इण्डिया-सारनाथ के संयुक्त तत्वावधान में 29-30 जुलाई, 2026 को 09:30 बजे पूर्वाह्न से मूलगंध कुटी विहार, सारनाथ वाराणसी में दो दिवसीय ''धम्मचक्क पवत्तन दिवस का महत्व'' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह तथा अध्यक्षता वेन आर. सुमित्थानन्द थेरो प्रभारी महाबोधि सोसाइटी ऑफ इण्डिया, सारनाथ वाराणसी करेंगे।

17 साल की लड़की से इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर ठगी

लखनऊ। लखनऊ में इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती एक नाबालिग लड़की के लिए मुसीबत बन गई। आरोप है कि युवक ने पहले भरोसा जीतकर उसकी निजी तस्वीरें अपने पास सेव कर लीं, फिर उन्हें वायरल करने की धमकी देकर करीब 60 हजार नकद और 36 ग्राम सोने के गहने ऐंठ लिए। मामले में पीड़िता के पिता की तहरीर पर हसनगंज थाने में शिकायत दी गई है।

भारत का अगला एआई हब बनाने का रोडमैप किया तैयार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा आज लखनऊ में 'यूपी एआई टेक समिट 2026' का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को भारत के प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब के रूप में स्थापित करने की रूपरेखा तैयार करना रहा। इसमें उद्योग जगत के दिग्गजों और नीति निर्माताओं ने आर्थिक विकास और जनकल्याण के लिए एआई के उपयोग पर मंथन किया।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने यूपी के द्वार सभी के लिए खोल दिए हैं। सरकार पॉलिसी इनोवेशन के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारी स्टार्टअप पॉलिसी अब एग्री-टेक पर फोकस कर रही है, क्योंकि कृषि अर्थव्यवस्था का आधार है। एआई का उपयोग फसल उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए होना चाहिए, साथ ही इसके दुरुपयोग से सतर्क रहना भी जरूरी है। प्रमुख सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स आलोक कुमार ने कहा कि 24 करोड़ की आबादी जो कभी चुनौती थी, अब एआई कंपनियों के लिए अपने मॉडल को ट्रेन करने का बड़ा डेटा पॉइंट है। यूपी निश्चित रूप से टैलेंट हब है और सरकार वैश्विक स्तर पर नेतृत्व कर रहे यूपी के प्रतिभाशाली लोगों का डेटाबेस तैयार कर उन्हें प्रदेश की विकास गाथा से जोड़ रही है। उन्होंने इनमोबी को स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए अनुकरणीय मॉडल बताया।

सम्मेलन में इनमोबी की ग्लोबल एसवीपी और मुख्यमंत्री के डिजिटल इकॉनमी वर्किंग ग्रुप की सदस्य डॉ. सुबी चतुर्वेदी ने कहा कि नवीन तिवारी द्वारा इनमोबी को भारत का पहला यूनिकॉर्न बनाना यह दर्शाता है कि भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर नेतृत्व कर सकती हैं। उनका विजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से मेल खाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पटल पर नई प्रतिष्ठा प्राप्त कर रही भारत की बौद्ध धरोहर

भगवान बुद्ध के करुणा, अहिंसा और शांति के संदेश आज भी मानवता के लिए पथप्रदर्शक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सारनाथ, वाराणसी में आषाढ़ पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बुद्ध के करुणा, अहिंसा, शांति और मानव कल्याण के संदेश आज भी सम्पूर्ण विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। वैश्विक अस्थिरता, संघर्ष और सामाजिक चुनौतियों के वर्तमान दौर में भगवान बुद्ध के कालातीत विचार मानवता को शांति, सद्भाव और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सारनाथ वह पवित्र भूमि है, जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के उपरांत अपना प्रथम उपदेश देकर धम्मचक्र प्रवर्तन किया था। यहीं से करुणा, सत्य, अहिंसा, मैत्री और मानव कल्याण का संदेश विश्व के विभिन्न देशों तक पहुंचा। सारनाथ आज भी विश्वभर के बौद्ध अनुयायियों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आस्था, ज्ञान एवं शांति का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिल रही है। भारत विश्व समुदाय के साथ अपने प्राचीन ज्ञान, संस्कृति और जीवन मूल्यों को साझा करते हुए शांति एवं मानव कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र स्थलों के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आषाढ़ पूर्णिमा का पावन पर्व भगवान बुद्ध के महान संदेशों को स्मरण करने तथा उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है।

सारनाथ का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना भारत की सांस्कृतिक विरासत का ऐतिहासिक वैश्विक सम्मान

> मौर्य ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं किसी एक देश, समाज अथवा समुदाय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती हैं। भगवान बुद्ध ने मानव जीवन में करुणा, सदाचार, संयम, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान को सर्वोच्च महत्व दिया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में भारत भगवान बुद्ध की करुणा, अहिंसा और शांति की अमर धरोहर को विश्वभर में नई ऊर्जा और नई प्रतिष्ठा के साथ स्थापित कर रहा है। भारत आज अपनी प्राचीन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को विश्व समुदाय के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की प्रथम धम्मदेशना-स्थली सारनाथ का यूनेस्को की 'विश्व धरोहर सूची' में शामिल होना भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को प्राप्त एक ऐतिहासिक वैश्विक सम्मान है। यह उपलब्धि न केवल भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के वैश्विक महत्व को रेखांकित करती है, बल्कि सारनाथ की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयां प्रदान करती है।

मोदी और योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं, किसानों को समय पर मिल रहे खाद और बीज : सूर्य प्रताप

किसानों को समय से उपलब्ध कराए जा रहे हैं बीज, सिंचाई और कृषि यंत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

खरीफ आच्छादन लक्ष्य का 95 प्रतिशत पूरा, 57.70 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध

लखनऊ। प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन के दौरान किसानों को समय पर बीज, उर्वरक और सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक व्यवस्था की है। वैश्विक परिस्थितियों, कम वर्षा तथा अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति संबंधी चुनौतियों के बावजूद प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जा रही है। मंत्री शाही ने बताया कि वर्ष 2026 में खरीफ फसलों के लिए लगभग 107 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके सापेक्ष अब तक लगभग 95 प्रतिशत आच्छादन पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सामान्य से लगभग 25 प्रतिशत कम वर्षा होने के बावजूद कृषि विभाग, सिंचाई विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वित प्रयासों से किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने दी गई। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर 1,73,641 क्विंटल प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया गया है। साथ ही दलहन, तिलहन, बाजरा एवं सावा जैसी फसलों के 16,449 क्विंटल निःशुल्क मिनीकिट लगभग 6.13 लाख किसानों को वितरित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1,23,379 क्विंटल बीज अनुदान पर किसानों को उपलब्ध कराया गया है। प्रदेश में दलहन, मूंगफली, सोयाबीन एवं तिलहन की खेती के विस्तार पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में वर्षा सामान्य से काफी कम हुई है, वहां किसानों को राहत देने के लिए तोरिया बीज मिनीकिट योजना शुरू की गई है।

28.88 लाख मीट्रिक टन किसानों को वितरित किया जा चुका

उर्वरक उपलब्धता पर विस्तार से जानकारी देते हुए शाही ने कहा कि 1 अप्रैल से 28 जुलाई 2026 के बीच प्रदेश को 57.70 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हुआ, जिसमें से 28.88 लाख मीट्रिक टन किसानों को वितरित किया जा चुका है तथा 28.82 लाख मीट्रिक टन उर्वरक अभी भी उपलब्ध है। उपलब्ध स्टॉक में लगभग 14.52 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4.81 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4.91 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 3.47 लाख मीट्रिक टन एसएसपी तथा 1.11 लाख मीट्रिक टन एमओपी शामिल है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों को घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि प्रदेश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

> कृषि मंत्री ने बताया कि कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए कृषि यंत्रों की ऑनलाइन बुकिंग भी प्रारंभ कर दी गई है। फार्म मशीन बैंक, कस्टम हायरिंग सेंटर तथा कृषि यंत्रों पर किसानों को 40 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। इस वर्ष 25,900 कृषि यंत्र किसानों को उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है और अब तक 41 हजार से अधिक किसानों ने ऑनलाइन बुकिंग कराई है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में लाल गुलवीर सिंह ने 10,000 मीटर में जीता रजत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं अतरौली विधायक संदीप सिंह ने अलीगढ़ जनपद के ब्लॉक बिजौली स्थित कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय, सिरसा के पूर्व छात्र गुलवीर सिंह द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स की 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने पर हार्दिक बधाई दी है।

संदीप सिंह ने कहा कि गुलवीर सिंह की यह उपलब्धि केवल अलीगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से अंतर-राष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी प्रतिभा निखारने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में खेल अवसंरचना के विस्तार, प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों के सम्मान व प्रोत्साहन के लिए प्रभावी नीतियां लागू की गई हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिल रहे हैं।

संचालन : कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों की निकटवर्ती विद्यालयों से पेयरिंग

प्रदेश में 1.32 लाख से अधिक परिषदीय विद्यालय संचालित

- 2017 के बाद शिक्षा बजट 28 हजार करोड़ से बढ़कर 1.13 लाख करोड़, नामांकन बढ़ा और ड्रॉपआउट घटकर तीन प्रतिशत हुआ

तमसा संकेत, संवाददाता

शैक्षिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग की नई व्यवस्था

लखनऊ। प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 1 लाख 32 हजार से अधिक परिषदीय विद्यालय संचालित हैं और इनमें से किसी भी सरकारी विद्यालय को बंद नहीं किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों का निकटवर्ती विद्यालयों से पेयरिंग किया जा रहा है, ताकि उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण, पर्याप्त शिक्षक, संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। जिन विद्यालयों के भवन इस प्रक्रिया के बाद रिक्त हुए हैं, वहां प्री प्राइमरी शिक्षा के तहत बाल वाटिकाओं का संचालन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल शिक्षा को मजबूत करना है, न कि विद्यालयों को बंद करना। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किसी भी परिषदीय विद्यालय को बंद नहीं किया है। कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का निकटवर्ती विद्यालयों के साथ पेयरिंग किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण, पर्याप्त संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध हो सके। इस प्रक्रिया से रिक्त होने वाले विद्यालयों में पहली बार प्री प्राइमरी कक्षाओं और बाल वाटिकाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे प्रारंभिक बाल शिक्षा को और मजबूती मिलेगी।

2017 के बाद प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए

वर्ष 2017 के बाद प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। शिक्षा के बजट को लगभग 28 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.13 लाख करोड़ रुपये से अधिक किया गया है। इसके साथ ही सरकारी विद्यालयों में नामांकन भी लगभग 1.34 करोड़ से बढ़कर करीब 1.90 करोड़ तक पहुंचा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधनों और प्रभावी शैक्षणिक योजनाओं के कारण विद्यालयों के प्रति अभिभावकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

19 प्रतिशत से घटाकर तीन प्रतिशत तक लाया गया

विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को लगभग 19 प्रतिशत से घटाकर तीन प्रतिशत तक लाया गया है। बच्चों की सीखने की क्षमता, पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति और शैक्षणिक गतिविधियों को लगातार सुदृढ़ किया गया है। साथ ही ऑपरेशन कायाकल्प के तहत परिषदीय विद्यालयों में 19 आधारभूत मानकों पर व्यापक कार्य हुआ है। वर्ष 2017 में इन मानकों पर प्रगति लगभग 36 प्रतिशत थी, जिसे अब बढ़ाकर 97 प्रतिशत तक पहुंचाया जा चुका है। इससे विद्यालयों का वातावरण अधिक सुरक्षित, आकर्षक और सुविधायुक्त बना है।

प्रत्येक बच्चे को न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना हमारा दायित्व

यह योजना प्रत्येक 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे के लिए : जीवक कुमार सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लागू ₹चाइल्ड-फ्रेंडली लीगल सर्विसेज फॉर चिल्ड्रेन स्कीम, 2024₹ का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क, सुलभ, सुरक्षित एवं बाल-अनुकूल विधिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी बच्चा अपने अधिकारों से वंचित न रहे। इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के प्रभारी सचिव श्री जीवक कुमार सिंह ने बताया कि यह योजना प्रत्येक 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे के लिए है। इसके अंतर्गत विधि के उल्लंघन का आरोप झेल रहे बालक, देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे, बाल श्रम, मानव तस्करी, दुर्व्यवहार, लैंगिक हिंसा, बाल विवाह, दिव्यांग, अनाथ, परित्यक्त, गुमशुदा तथा अन्य कमजोर एवं संवेदनशील परिस्थितियों में रह रहे बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत प्रशिक्षित पैनल अधिवक्ताओं, लीगल एड डिफेंस काउंसिल (LADC), पैरा-लीगल वॉलंटियर्स (PLVs) तथा अन्य प्रशिक्षित विधिक कर्मियों के माध्यम से बच्चों को न्यायालयीन कार्यवाही के प्रत्येक चरण में सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही परामर्श, पुनर्वास, मुआवजा, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा आवश्यकतानुसार विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करने की व्यवस्था भी की गई है।

श्री जीवक कुमार सिंह ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तालुका विधिक सेवा समितियों, फ्रंट ऑफिस, पुलिस थानों, बाल न्याय बोर्ड (JJB), बाल कल्याण समिति (CWC), बाल देखरेख संस्थाओं, जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU), वन स्टॉप सेंटर तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक पात्र बच्चे को समयबद्ध एवं प्रभावी विधिक सहायता प्राप्त हो।

13 घायल, नई गाड़ी की पूजा कराने हरिद्वार जा रहे थे, गंगनहर पर हादसा

पिकअप ट्रक की भिड़ंत, 3 की मौत

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बोलेरो पिकअप और ट्रक की टक्कर हो गई। ट्रक पिकअप को करीब 500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। पिकअप में सवार 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया, जबकि बाकी घायलों का सीएचसी में इलाज के बाद घर भेज दिया गया।

हादसा मंगलवार रात करीब 12:40 बजे निवाड़ी थाना क्षेत्र में हुआ। मृतकों की पहचान रमेश (22) पुत्र छोटेलाल, रतन (23) पुत्र भजनलाल और सरजीत (35) पुत्र खुशीराम के रूप में हुई है। तीनों राजस्थान के अलवर जिले के तिजारा थाना क्षेत्र के कलगांव के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, हाल ही में महिपाल नाम के एक शख्स ने नई बोलेरो पिकअप खरीदी थी। गाड़ी का पूजा कराने और गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर पहुंची, सामने से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई।

हादसे में जान गंवाने वाले साथियों के शव लेने के लिए पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर बैठे परिजन और साथी।

नई बोलेरो की पूजा कराने जा रहे थे हरिद्वार

अलवर के कलगांव निवासी रमेश पुत्र छोटेलाल, रतन पुत्र भजनलाल और सरजीत पुत्र खुशीराम किसान थे। पुलिस के मुताबिक, कलगांव की रहने वाले महिपाल ने 5 जुलाई को नई बोलेरो पिकअप खरीदी थी। गाड़ी की पूजा कराने के लिए वह हरिद्वार जा रहे थे। गांव के अन्य लोग भी गंगा स्नान के लिए उनके साथ चल पड़े। मंगलवार शाम करीब 8 बजे महिपाल 15 लोगों के साथ बोलेरो से हरिद्वार के लिए रवाना हुए। वह खुद गाड़ी चला रहे थे। रात करीब 12:40 बजे जब बोलेरो चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई। ट्रक में स्टील की कॉइल लदी थी। टक्कर के बाद बोलेरो ट्रक के साइड डाले में फंस गई और करीब 500 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में बोलेरो के पिछले हिस्से में बैठे रमेश, रतन और सरजीत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। सूचना मिलते ही एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा और निवाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने बोलेरो में फंसे लोगों को बाहर निकाला और सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया। इनमें एक श्रद्धालु की हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

ट्रक का ड्राइवर और खलासी हिरासत में

एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच में तेज रफ्तार हादसे की मुख्य वजह सामने आ रही है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। ट्रक के ड्राइवर और खलासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

> चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग कांवड़ियों के लिए है। यह मार्ग गाजियाबाद के मुरादनगर से शुरू होकर मेरठ, मुजफ्फरनगर होते हुए हरिद्वार तक जाता है। 29 जुलाई यानी आज सुबह से इस रास्ते पर भारी वाहनों का डायवर्जन लागू होना है।

यूपी में छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष की कार ट्रक से टकराई

कमर में गंभीर चोट, चल नहीं पा रहे पत्नी-बेटी सुरक्षित

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। यूपी के ललितपुर में छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव के साथ हादसा हो गया। बुधवार दोपहर उनकी इनोवा कार हाईवे पर खड़े ट्रक में घुस गई। इससे किरण सिंह देव घायल हो गए। उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

किरण सिंह देव की कमर में गहरी चोट आई है। उन्हें चलने-फिरने में दिक्कत है। शुरुआती जांच में उनकी बॉडी में किसी फ्रैक्चर की पुष्टि नहीं हुई है। हालत खतरे से बाहर है। किरण सिंह देव परिवार के साथ मध्य प्रदेश में छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम से लौट रहे थे। उनकी पत्नी और बेटी सुरक्षित हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तालबेहट में जिस जगह हादसा हुआ, वह ललितपुर जिला मुख्यालय से करीब 44 किमी दूर है। दोपहर करीब 3:30 बजे नेशनल हाईवे-44 पर सामने आ रही तेज रफ्तार कार ने अचानक कट मार दिया। गाड़ी को बचाने में किरण सिंह देव के ड्राइवर ने कार को मोड़ा, तभी वह कंट्रोल खो बैठा और कार हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा इंजन तक चकनाचूर हो गया है। हादसे के वक्त कार की स्पीड करीब 80 किमी प्रति घंटे रही होगी। हादसे की सूचना मिलते ही झांसी के डीएम गौरांग राठी, एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे। भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी अस्पताल पहुंचे हैं।

किरण सिंह देव, छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष

फास्ट न्यूज

एसएन में प्लेटलेट्स दान कर डॉक्टर ने बचाईं 2 जिंदगियां

आगरा। शरीर में सामान्य से करीब 60% कम हीमोग्लोबिन और 95% से अधिक प्लेटलेट्स की कमी के बावजूद एस.एन. मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने एक गंभीर प्रसूता और उसके नवजात की जान बचा ली। प्रसूता का हीमोग्लोबिन महज 4.5 ग्राम/डेसीलीटर और प्लेटलेट्स केवल 7 हजार थे। अत्यधिक रक्तस्राव का खतरा होने के बीच अस्पताल में तत्काल प्लेटलेट्स उपलब्ध नहीं थीं।

जोन-5 की बैठक में फूटा पार्षदों का गुस्सा

कानपुर। कानपुर नगर निगम मुख्यालय के समिति कक्ष में बुधवार को जोन-5 के विकास कार्यों और जनसमस्याओं की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने जोन-5 के सभी पार्षदों की समस्याएं एक-एक कर सुनीं। इस दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। बैठक में पार्षद दल के नेता नवीन पंडित ने बताया कि डीप फ्रीजर खराब पड़े हैं, जिन्हें तत्काल ठीक कराया जाना चाहिए।

आईआईटी-कानपुर के प्रोफेसर दंपति के बीच मारपीट

कानपुर । कानपुर आईआईटी में पढ़ाने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर ने अपने प्रोफेसर पति निशीथ श्रीवास्तव के खिलाफ मारपीट और उत्पीड़न समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि प्रोफेसर पति का अपनी पीएचडी स्कॉलर के साथ अवैध संबंध रहे हैं। मौजूदा समय में उनकी डिपार्टमेंट में कार्यरत एक महिला सहकर्मी से अवैध संबंध हैं।

मेरठ में लड़की को 3 गोलियां मारकर किया सुसाइड

लड़का 10 दिन पहले ही जमानत पर छूटा था

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में बुधवार शाम एकतरफा प्यार में एक लड़के ने लड़की को तीन गोलियां मारीं, फिर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। लड़के के सीने में गोली लगी, जबकि लड़की के सिर में एक और दो गोली पेट में लगीं।

घटना शाम करीब 4:30 बजे कंकरखेड़ा के डिफेंस एन्क्लेव कॉलोनी के जोनल पार्क के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लड़का पल्सर बाइक और लड़की स्कूटी से जोनल पार्क आई थी। पार्क के बाहर खड़े होकर दोनों बात कर रहे थे। तभी उनमें झगड़ा होने लगा।

इसी बीच लड़के ने तमंचा निकाला और लड़की पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। लड़की तुरंत जमीन पर गिर पड़ी। घटना से अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग लड़के की तरफ दौड़े तो उसने सीने पर तमंचा सटाकर खुद को गोली मार ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस से दोनों को कैलाश अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें सुभारती मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

आदित्य, मृतक

पुलिस के मुताबिक, लड़की का नाम अनुष्का (23) है, जो कंकरखेड़ा के गोविंदपुरी की रहने वाली थी। लड़के की पहचान आदित्य (26) के रूप में हुई है। वह कंकरखेड़ा की शिवलोकपुरा कॉलोनी का रहने वाला है। आदित्य ने साल 2025 में साकेत स्थित आईटीआई कॉलेज से आईटीआई किया था।

ड्राइवर समेत 2 की मौत, 30 घायल, झांसी में बस काटकर निकाले गए यात्री

हादसा : झपकी आने से खड़े डंपर में घुसी स्लीपर बस

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में बुधवार सुबह करीब 4 बजे यात्रियों से भरी एक स्लीपर बस सड़क किनारे खड़े डंपर में घुस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस चालक समेत 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 यात्री घायल हो गए। इनमें 3 की हालत गंभीर बनी हुई है।

बस में करीब 50 यात्री सवार थे। टक्कर के बाद कई यात्री बस के अंदर फंस गए। रेस्क्यू के दौरान बस का अगला हिस्सा काटकर चालक के शव और घायलों को बाहर निकाला गया, जबकि कुछ यात्री खिड़कियों के रास्ते बाहर निकले।

हादसा जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर बड़ा गांव थाना क्षेत्र में पारीछा पावर प्लांट के पास हुआ। मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के सावन गांव निवासी बस चालक इस्लाम बेग (33) और विदिशा जिले के रामनगर गांव निवासी कन्ना नायक (69) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, बस प्रयागराज से विदिशा जा रही थी। प्रारंभिक जांच में चालक को नींद की झपकी आने के कारण बस सड़क किनारे खड़े डंपर से टकराने की बात सामने आई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हादसे में विदिशा जिले के रामनगर निवासी बाबूलाल घायल हो गए। उन्होंने बताया- हम प्रयागराज से गंगा स्नान कर बस से लौट रहे थे। रात में सभी अपनी-अपनी सीटों पर सो रहे थे। तभी सड़क किनारे खड़े डंपर से बस की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मैं सीट से उछलकर नीचे गिर गया और तभी मेरी नींद खुली।

पुलिस ने बस का अगला हिस्सा काटा और ड्राइवर के शव को बाहर निकाला। इसके बाद एक-एक कर सभी फंसे यात्रियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया।

डेढ़ घंटे पहले बदला था ड्राइवर

विदिशा के रामनगर निवासी हेमराज नायक ने बताया-वह अपनी पत्नी कमला, ससुर बाबूलाल, सास रामबाई और रिश्ते के समधी कन्ना नायक के साथ प्रयागराज गंगा स्नान के लिए गए थे। 27 जुलाई को गांव से बस में सवार हुए थे। बस में करीब 50 यात्री थे। मंगलवार सुबह प्रयागराज पहुंचकर सभी ने गंगा स्नान किया और रात में वापस गांव के लिए रवाना हो गए।

> कन्ना नायक की मौत के बाद परिवार सदमे में है। उनकी पत्नी का पांच साल पहले निधन हो चुका था। परिवार में दो बेटे दिलीप और कालू तथा एक विवाहित बेटी मूर्तिबाई हैं। परिजन पोस्टमॉर्टम के बाद शव को गांव ले जाएंगे। वहीं, बस चालक इस्लाम बेग के परिजनों को भी सूचना दे दी गई है।

पिता हरदोई के करोड़पति प्रॉपर्टी डीलर, बड़े बेटे ने भी किया था सुसाइड

बेटे ने फांसी लगाई सदमे में मां ने जान दी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में मंगलवार को करोड़पति प्रॉपर्टी डीलर के 17 साल के बेटे ने फंदे से लटककर जान दे दी। शाम करीब साढ़े 5 बजे कमरे में बेटे का शव लटका देखकर मां सदमे में आ गईं। 15 मिनट के बाद ही वह भागकर घर की दूसरी मंजिल पर पहुंचीं और नीचे कूदकर उन्होंने भी सुसाइड कर लिया।

प्रॉपर्टी डीलर के बड़े बेटे ने भी डेढ़ साल पहले गोली मारकर आत्महत्या की थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों और घरवालों से घटना की जानकारी ली। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना देहात कोतवाली क्षेत्र की है। रामप्रकाश गुप्ता पिहानी चुंगी इलाके में परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में उनकी पत्नी गीता गुप्ता और चार बच्चे थे। इनमें दो बेटे और दो बेटियां थीं। एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि बेटा हिमांशु और दूसरी बेटी की अभी शादी नहीं हुई थी। बेटा हिमांशु (17) सेंट जेवियर्स स्कूल में कक्षा 9 का छात्र था। रामप्रकाश गुप्ता शहर के बड़े प्रॉपर्टी डीलर्स हैं। उनकी नेटवर्थ लगभग 7 करोड़ रुपए है। करीब डेढ़ साल पहले उनके बड़े बेटे प्रिंस ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम ने बताया-शुरुआती जांच में हिमांशु द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। बेटे की मौत से सदमे में आई मां ने दूसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी।

हिमांशु, मृतक

बेटे का शव देखा, 15 मिनट बाद मां ने भी दी जान

मंगलवार शाम करीब 5:10 बजे हिमांशु अपने कमरे में गया। कुछ देर बाद उसने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आया तो मां गीता देवी कमरे में पहुंचीं। वहां बेटे का शव फंदे से लटका देखकर वह चीखने लगीं और बदहवास हो गईं। करीब 15 मिनट बाद वह घर की दूसरी मंजिल पर पहुंचीं और नीचे छलांग लगा दी। इससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही देहात कोतवाली पुलिस पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

स्कूल में दो छात्र भिड़े 5वीं के स्टूडेंट की मौत प्रिंसिपल समेत पूरा स्टाफ सस्पेंड

पिता बोले-बेटे का गला दबाया गया

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में सरकारी स्कूल में दो छात्रों के बीच मारपीट हो गई। पिता का आरोप है कि आरोपी छात्र ने उनके बेटे का गला दबा दिया। टीचर्स ने बीच-बचाव नहीं किया। मारपीट से बेटे की हालत बिगड़ गई। बुधवार सुबह 9 बजे प्रयागराज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौत के बाद गुस्साए परिजन और ग्रामीण शव लेकर स्कूल पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। हंगामा बढ़ता देख स्कूल का स्टाफ फरार हो गया। सूचना मिलते ही ASP और CO फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद BSA ने प्रिंसिपल समेत 7 स्टाफकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। 13 साल का विभान प्राथमिक विद्यालय की 5वीं कक्षा में पढ़ता था। मामला चरवा थाना क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय का है। शुक्रवार को बच्चे की परेशानी बढ़ गई तो उसे जिला अस्पताल ले जाया गया।

विभान, मृतक

खाना खाते वक्त दर्द हुआ तो मां को पता चला

पहाड़पुर सुधवर गांव के रहने वाले बीरू राठौर ऑटो चलाते हैं। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे विभान और शिवान तथा बेटी जान्हवी हैं। परिवार ने बताया कि गुरुवार को स्कूल की छुट्टी के बाद विभान घर पहुंचा। खाना खाते समय उसे गले में दर्द और दिक्कत हुई तो मां ने कारण पूछा।

बच्चे ने बताया कि स्कूल में एक लड़के ने उसका गला दबा दिया था। उसे बहुत दर्द हो रहा था और सांस लेने में परेशानी हो रही थी। उसने प्रिंसिपल और क्लास टीचर को भी बताया था, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। परिवार को लगा कि मामूली चोट होगी और वह ठीक हो जाएगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

पेपर लीक बिल ...

अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। अब जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण मिलेगा। वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा।

राहुल ने कहा, मैंने सोचा कि आने वाले जनरेशन पर मैं अपनी स्पीच कैसे शुरू करूं। फिर मुझे लगा कि मैंने जिन युवाओं से बात की, खासकर यंग लड़कियों से बात की, उनकी बातों ने मुझे नई दिशा दी।

एक लड़की ने कहा- स्टूडेंट्स खुले दिमाग और दिल के है। स्टूडेंट्स को पता है कि जो यह दुनिया लगातार बदल रही है। उन्हें समझ आता है कि ज्ञान भी हर समय बदलता है। स्टूडेंट्स को पता कि उन्हें सारा सच नहीं पता।'

राहुल गांधी ने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित था और मुझे भरोसा हुआ कि देश का भविष्य हमारी सड़कों पर क्या कर रहा है। यह गुस्सा, हिंसा या नफ़रत नहीं थी। यह देश के युवाओं और आने वाली पीढ़ी की गहरी भावना थी और मुझे लगता है कि सभी राजनीतिक दलों को, जिसमें भाजपा के मेरे दोस्त भी शामिल हैं, इस भावना का सम्मान करना चाहिए।' राहुल ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि अगर भाजपा के मेरे मित्र अपने बच्चों से पूछें कि उनके भाई-बहन जो कर रहे हैं, उसके बारे में वे क्या सोचते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों का भी समर्थन ही मिलेगा। जो हुआ है उसमें कुछ भी गलत नहीं है और हर भारतीय को इस पर गर्व होना चाहिए।'

लोकसभा में...

नियम 381 के अनुसार, कार्यवाही से हटाए गए शब्द या टिप्पणी को रिकॉर्ड में तारांकन के साथ दिखाया जाता है और उसके नीचे ₹Expunged as ordered by the Chair₹ लिखा जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि लोकसभा में असंसदीय शब्दों की कोई तय सूची नहीं है। किसी शब्द को असंसदीय माना जाएगा या नहीं, इसका फैसला स्पीकर उस शब्द के संदर्भ और परिस्थितियों को देखते हुए करते हैं।

कोयला घोटाला में...

इस आदेश को पूर्व प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। तब से मामला कोर्ट में था। डॉ. सिंह का 26 सितंबर 2024 को 92 साल की उम्र में निधन हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि स्पेशल जज के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को ठुकराने का कोई ठोस कारण नहीं था। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए मामले को मेरिट के आधार पर बंद कर दिया। यह मामला 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-II कोल ब्लॉक आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ा था।

छात्रों पर दिल्ली ...

संसद से 500 मीटर तक देश के छात्रों को पीटा गया। छात्रों पर पैलेट गन चलाई गईं। एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई। मैंने मेडिकल सर्टिफिकेट में यह देखा। छात्रों पर कील लगी लाठियां चलाई गईं। इससे पहले राहुल गांधी संसद में 'छात्रों के संसद मार्च में गोली चलने' के बयान पर भाजपा ने शाम 4:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि राहुल ने लोकसभा में झूठ बोला है। पात्रा ने बताया कि संसद मार्च में छात्रों पर गोली चलाई गई। इसका भाजपा खंडन करती है। राहुल ने कहा कि गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। ये भी झूठ है, क्योंकि गोली चली नहीं तो आदेश कहां से देंगे। स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।'

राहुल ने कहा- छात्रों ...

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, 'छात्र असल में इसलिए नाराज हैं क्योंकि उन्हें भारत में छात्र बने रहने, अपने जुनून को फॉलो करने, अपनी बात कहने और अपने मन के सवाल पूछने की इजाजत नहीं है। उन्हें वह बेतुका इतिहास मानना पड़ता है जिसकी कल्पना RSS करता है।'

भोपाल में बीच सड़क...

संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य और किसान स्वराज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह जाट ने कहा कि प्रशासन ने आंदोलन खत्म कर एक सप्ताह का समय देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन किसानों ने इसे नामंजूर कर दिया।

उन्होंने कहा कि जब तक 100% मूंग खरीदी और ई-टोकन व्यवस्था खत्म करने का फैसला नहीं होता, तब तक आंदोलन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। किसान नेताओं ने कहा कि उन्हें कई बार मुख्यमंत्री से मुलाकात का भरोसा दिया गया, लेकिन अब तक मुलाकात नहीं हुई। उनका कहना है कि वे बुधवार सुबह मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकलेंगे।

भदोही जिले का नाम...

सीएम ने कहा-सपा सरकार के दौरान पड़ोसी जिले संत रविदास नगर का नाम बदलकर भदोही कर दिया गया था। भाजपा सरकार संतों और महापुरुषों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है और वह मुख्यमंत्री से बातचीत कर जिले का नाम फिर से संत रविदास नगर कराने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रमुख चौराहों, मार्गों और कार्यक्रम स्थलों को होर्डिंग, स्वागत द्वार और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। सीरगोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। वहीं, बीएचयू गेट स्थित मालवीय प्रतिमा और आसपास के क्षेत्रों को भी आकर्षक स्वरूप दिया गया है। कार्यक्रम में एक सीएम, दो डिप्टी सीएम, एक केन्द्रीय मंत्री, 12 प्रदेश मंत्री शामिल है। रविदास घाट पर सीएम योगी के आने से पहले तार में आग लग गई। हालांकि वहां मौजूद फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया है।

भाजपा सरकार छात्रों ...

अखिलेश यादव बुधवार को संसद परिसर में अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना के विरोध में समाजवादी पार्टी के सांसदों के साथ प्रदर्शन करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सरकार सत्ता में रहेगी, तब तक देश और प्रदेश के सामने खड़े संकट समाप्त नहीं होंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन चलाई गई, आंसू गैस के गोले दागे गए और लाठीचार्ज किया गया, जिससे कई छात्र और नौजवान घायल हुए। उन्होंने कहा कि इन घायलों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अखिलेश यादव ने सरकार से पूछा कि छात्रों पर बल प्रयोग किसके आदेश पर किया गया, क्योंकि पुलिस और सशस्त्र बल गृह विभाग के अधीन आते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है और किसान खाद, बीज व कीटनाशकों के संकट से जूझ रहे हैं। भाजपा सरकार बनने के बाद से हर सीजन में किसानों को खाद के लिए लंबी लाइनें लगानी पड़ती हैं। सरकार के दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है, जिसका खामियाजा किसानों और युवाओं को भुगतना पड़ रहा है।

उत्तराखंड में भारी ...

बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ होते हुए आगे बढ़ रहा है। IMD ने 4-5 दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में सामान्य से ज्यादा और पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक 4 मानसूनी सिस्टम ने ये बारिश कराई।

हरजिंदर को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर, बॉक्सिंग में 3 पदक पक्के, कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 12 मेडल

गुलवीर 10,000 मीटर रेस में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय

गर्व

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 5वें दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए। मंगलवार देर रात गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर की रेस में दूसरा स्थान हासिल किया। वे इस इवेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो वजन उठाकर सिल्वर जीता। भारत के 3 मुक्केबाजों ने भी अपने मैच जीतकर मेडल पक्के कर लिए हैं। तीनों सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। गुलवीर और हरजिंदर के सिल्वर के

बावजूद भारत मेडल टैली में नौवें नंबर पर खिसक गया है। भारत ने अब तक 2 गोल्ड समेत कुल 12 मेडल जीते हैं। भारत एक दिन पहले टैली में 8वें नंबर पर था। ऑस्ट्रेलिया 35 गोल्ड लेकर कुल 80 मेडल जीतकर टॉप पर बना हुआ है। हरजिंदर कौर पंजाब के नाभा के महेश गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने खेल की शुरुआत वेटलिफ्टिंग से नहीं, बल्कि कबड्डी और रस्साकशी से की

सेना में भर्ती के लिए दौड़ना शुरू किया, अब देश के लिए मेडल जीत रहे

27 साल के गुलवीर सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के सिरसा गांव के रहने वाले हैं और भारतीय सेना में नायब सूबेदार हैं। उन्होंने सेना में भर्ती की तैयारी के लिए दौड़ना शुरू किया था। 2018 में ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट में शामिल होने के बाद उन्होंने एथलेटिक्स को गंभीरता से अपनाया।

थी। उनके कोच परविंदर शर्मा ने उनकी मजबूत मसल पावर देखकर उन्हें वेटलिफ्टिंग अपनाने की सलाह दी। हरजिंदर घर पर चारा काटने की

हरजिंदर ने सिल्वर मेडल जीतने के बाद हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया।

मशीन चलाती थीं, जिसमें लोहे के दो बड़े पहियों को घुमाना पड़ता था। इससे उनकी ताकत बढ़ी और वेटलिफ्टिंग की शुरुआत में उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने अपने पहले ही मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। अब सिल्वर जीतकर उन्होंने संकेत दे दिया है कि अगला लक्ष्य गोल्ड मेडल है। हरजिंदर कौर का सिल्वर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में भारत का सातवां मेडल है।

> गुलवीर ने स्कॉटस्टाउन स्टेडियम में भारी बारिश और गीले ट्रैक में 27:49.78 सेकंड का समय निकाला। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने गोल्ड और आइल ऑफ मैन मुल्लार्की ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

हरजिंदर कौर ने पर्सनल बेस्ट के साथ रजत जीता

वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने महिलाओं की 69 किलो वेट कैटेगरी में 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 101 किलो वजन उठाकर पर्सनल बेस्ट हासिल किया। उसके बाद क्लीन एंड जर्क में 126 किलो वजन उठाते हुए सिल्वर हासिल किया।

इस इवेंट का गोल्ड कनाडा की चार्लोट सिमोन्यू (कुल 240 किलोग्राम) और बॉन्ज ऑस्ट्रेलिया की नया फीबी हेमैन (कुल 227 किलोग्राम) को मिला।

इससे पहले मीराबाई चानू ने गोल्ड, ऋषिकांत सिंह, ज्ञानेश्वरी यादव, राजा मुथुपांडी और अजय बाबू ने सिल्वर, जबकि बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

अडाणी पोर्ट्स का मुनाफा 10% बढ़कर 3,650 करोड़ हुआ

कंपनी को घरेलू पोर्ट्स कारोबार से फायदा मिला

मुंबई, एजेंसी

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (APSEZ) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। मजबूत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के दम पर कंपनी का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10% बढ़कर 3,650 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 3,311 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। कंपनी की ऑपरेशंस से होने वाली कमाई में भी 19% की बढ़त दर्ज की गई है। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 10,821 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,126 करोड़ रुपए था।

तिमाही के दौरान अडाणी पोर्ट्स का EBIDTA यानी ऑपरेटिंग प्रॉफिट 19% बढ़कर 6,541 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 5,495 करोड़ रुपए था।

EBITDA मार्जिन में भी मामूली सुधार देखा गया है और यह 60.2% से सुधरकर 60.4% पर पहुंच गया है। अडाणी पोर्ट्स ने बताया कि उसका डोमेस्टिक पोर्ट्स बिजनेस कमाई का सबसे बड़ा जरिया बना रहा। बेहतर कार्गो मिक्स, ज्यादा रियलाइजेशन और वॉल्यूम ग्रोथ के चलते घरेलू पोर्ट्स बिजनेस के रेवेन्यू में सालाना आधार पर 12% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस पहली तिमाही के दौरान कंपनी के डोमेस्टिक पोर्ट्स ने कुल 115.3 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) कार्गो हैंडल किया। इस वर्टिकल का EBITDA मार्जिन 74% रहा, जो इंडस्ट्री में बेस्ट-इन-क्लास माना जाता है।

रूस ने टेलीग्राम के फाउंडर को वॉन्टेड लिस्ट में डाला

पावेल दुरोव पर आतंकवाद फैलाने का आरोप, केस दर्ज एप बैन हो सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस की मुख्य सुरक्षा एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (FSS) ने मैसेजिंग एप टेलीग्राम के फाउंडर पावेल दुरोव के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप तय किए हैं। रूस ने उन्हें इंटरनेशनल वॉन्टेड लिस्ट में भी डाल दिया है।

FSS ने आरोप लगाया कि टेलीग्राम का एडमिनिस्ट्रेशन उन चैनल्स, चैट्स और बोट्स को हटाने में नाकाम रहा है, जिनका इस्तेमाल यूक्रेनी इंटेलिजेंस एजेंसियां और चरमपंथी संगठन रूस में तोड़फोड़, साइबर फ्रॉड और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि बार-बार चेतावनी के बावजूद टेलीग्राम प्रशासन ने इन्हें हटाने के

लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पावेल दुरोव पर नया केस दर्ज होने के बाद अब रूस में टेलीग्राम के भविष्य और इसकी सेवाओं पर पूरी तरह बैन लगने की आशंका बढ़ गई है।

पावेल दुरोव का जन्म रूस में ही हुआ था, लेकिन उन्होंने 2021 में फ्रांस की नागरिकता हासिल कर ली थी। इस समय वे दुबई से अपनी कंपनी और एप का संचालन कर रहे हैं।

रूस में टेलीग्राम सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप्स में से एक है। रूसी सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए एप पर पहले ही कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसके बावजूद आम लोगों से लेकर सरकारी और मिलिट्री से जुड़े लोग भी इस एप का उपयोग करते हैं।

FSS रूस की मुख्य आंतरिक सुरक्षा और खुफिया एजेंसी है। यह पूर्ववर्ती सोवियत संघ की एजेंसी KGB की उत्तराधिकारी मानी जाती है। इसका मुख्य काम देश के भीतर आतंकवाद रोकना, सीमाओं की सुरक्षा करना और साइबर सुरक्षा की निगरानी करना है।

1984 में रूस में जन्मे दुरोव को 'रूस का मार्क जकरबर्ग' कहा जाता है।

बॉक्सर सचिन सिवाच जीते तो मेडल पक्का

संजना वेटलिफ्टिंग में गोल्ड के लिए खेलेंगी, कॉमनवेल्थ गेम्स का आज छठा दिन

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स के छठे दिन भारतीय खिलाड़ी वेटलिफ्टिंग, स्विमिंग, एथलेटिक्स, पैरा स्विमिंग, बॉक्सिंग और लॉन बॉल्स में चुनौती पेश करेंगे। टीम की सबसे ज्यादा उम्मीदें वेटलिफ्टिंग और एथलेटिक्स से रहेंगी। संजना महिला 77 kg फाइनल में गोल्ड के लिए उतरेंगी। वहीं बॉक्सर सचिन सिवाच क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगे। अगर सचिन यह मुकाबला जीतते हैं, तो भारत के लिए एक मेडल पक्का हो जाएगा। दिनभर में कुल 26 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 11 स्विमिंग एंड पैरा स्विमिंग, 8 एथलेटिक्स एंड पैरा एथलेटिक्स और 3 वेटलिफ्टिंग के गोल्ड इवेंट शामिल हैं।

एथलेटिक्स में दोपहर 3:35 बजे तजिंदरपाल सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल पुरुष शॉटपुट क्वालिफाइंग

बॉक्सर सचिन सिवाच और वेटलिफ्टर संजना।

में उतरेंगे। 4:02 बजे अनीमेष कुजूर पुरुष 200 मीटर हीट्स दौड़ेंगे। देर रात 11:54 बजे श्रीशंकर मुरली और लोकेश सत्यानाथन पुरुष लॉन्ग जंप फाइनल में मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगे। इसके बाद 12:31 बजे मनप्रीत कौर महिला शॉटपुट फाइनल, 12:55 बजे देवेंद्र कुमार और सागर थयात पुरुष डिस्कस थ्रो F42-44/F61-64 फाइनल खेलेंगे। इसके बाद 1:42 बजे मोहम्मद बासिल एम और दिलीप महादु गावित पुरुष 100 मीटर T47 फाइनल खेलेंगे। फिर 2:05 बजे पारुल चौधरी महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में उतरेंगी।

> वेटलिफ्टिंग में दोपहर 2 बजे संजना महिला 77 केजी फाइनल में उतरेंगी। भारतीय दल को उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद रहेगी। इसी दिन पुरुष 94 केजी और महिला 86 केजी वर्ग के फाइनल भी खेले जाएंगे।

श्रीशंकर मुरली से लॉन्ग जंप में मेडल की उम्मीद है।

स्विमिंग में साजन प्रकाश और आर्यन नेहरा पर नजर

स्विमिंग में दोपहर 3:12 बजे साजन प्रकाश और अनीश एस गौड़ा पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल हीट्स में उतरेंगे। दोनों के क्वालिफाई करने पर रात 11:51 बजे फाइनल खेला जाएगा। वहीं 1:14 बजे आर्यन नेहरा पुरुष 1500 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में सीधे मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगे। पैरा स्विमिंग में सुयश नारायण जाधव और चैतन्य विश्वास कुलकर्णी पुरुष 50 मीटर फ्रीस्टाइल S7 हीट्स खेलेंगे। क्वालिफाई करने पर दोनों रात 12:46 बजे फाइनल में उतरेंगे।

मनोरंजन

राहत अभियान के तहत भेजा खाने-पीने का और अन्य जरूरी समान

असम बाढ़ पीड़ितों के लिए मसीहा बने सलमान ख़ान

नई दिल्ली। असम इस समय भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। प्रभावित लोगों की मदद के लिए हर तरफ से सहायता मिल रही है। ऐसे में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान भी इस मुहीम का हिस्सा बनने के लिए आगे आए।

इंडिया टुडे के अनुसार, एक्टर के करीबी सूत्रों ने बताया है कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए राहत कार्यक्रम को कई चरणों में तैयार किया गया है। इस अभियान का पहला चरण पहले ही शुरू हो

चुका है, जिसमें प्रभावित लोगों को खाने के पैकेट और जरूरी सामान बांटे जा रहे हैं।

आने वाले चरणों में राशन किट देने के साथ-साथ बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए स्कूलों और अस्पतालों को फिर से बनाने में मदद करने पर ध्यान दिया जाएगा। 'बीइंग ह्यूमन' के जरिए सलमान खान ऐसी मदद पहुंचाना चाहते हैं जो सिर्फ तुरंत राहत देने तक ही सीमित न हो, बल्कि समुदायों

अपनी संस्था के जरिए पहुंचा रहे मदद

उन्होंने राज्य में अपने फैन क्लब के साथ मिलकर, अपनी संस्था 'बीइंग ह्यूमन' (Being Human) के जरिए मदद का हाथ बढ़ाया है। इस राहत अभियान का मकसद बाढ़ से जूझ रहे लोगों को तुरंत मदद पहुंचाना और साथ ही लंबे समय तक सहायता की योजना बनाना है।

यह अभियान सिर्फ खाना बांटने तक सीमित नहीं रहेगा। टीम ने एक चरणबद्ध योजना तैयार की है जिसमें जरूरी सामान पहुंचाना, पुनर्वास के प्रयास और आपदा से प्रभावित जरूरी सुविधाओं को फिर से बनाने में मदद करना शामिल है।

को सामान्य स्थिति में लौटने में भी मदद करे। बॉलीवुड के ज्यादातर सेलेब्रिटीज ने असम में आई बाढ़ के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन मंगलवार को आलिया भट्ट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया और लोगों से पीड़ितों की मदद करने की अपील की। इसके बाद भूमि पेडनेकर ने भी एक वीडियो संदेश के जरिए वहां का हाल बयां किया और मदद के लिए आवाज उठाई।

कंगना रनोट को उनकी पार्टी भी सीरियसली नहीं लेती

सौरव दास के बयान पर भड़कीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली। लगातार स्टूडेंट प्रोटेस्ट की आलोचना कर रहीं एक्ट्रेस और सासंद कंगना रनोट कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास के बयान पर भड़क गईं। दरअसल, कंगना के प्रोटेस्ट विरोधी बयानों पर सौरव ने कहा कि उन्हें उनकी पार्टी तक सीरियसली नहीं लेती है, तो बाकी लोगों को भी नहीं लेना चाहिए। सौरव के बयान पर कंगना भड़क गईं और जवाब में उन्हें बेरोजगार और बेकार कहा।

कंगना रनोट के विरोधी बयानों पर बात करते हुए सौरव ने एएनआई से कहा, 'देखिए, कंगना रनोट जी को उनकी पार्टी वाले ही उन्हें नहीं पूछते, ज्यादा सीरियसली नहीं लेते, तो हम क्यों लें। मुझे नहीं लगता कि जेन जी में या जेन अल्फा में या कोई

यंगर जनरेशन में उन्हें कोई सीरियसली नहीं लेता।'

आगे सौरव ने कहा, 'वो पॉलिटिशियन हैं, नेता भी बन गई हैं। उनके तो कुछ वीडियो भी हैं, जब वो मंडी गई थीं। उन्होंने कहा था कि मैंने तो सोचा था कि थोड़ा बहुत काम करना पड़ेगा, यहां तो सांसद बनकर इतना काम करना पड़ता है। ये उनकी सीरियसनेस दिखाता है। वो हमें अनसीरियस बोल रही हैं, उन्होंने खुद को ही एक्सपोज कर दिया था। इस पर मैं ज्यादा कुछ बोलूंगा नहीं।

सलमान ने गिफ्ट की बीएमडब्ल्यू, चाबी समुद्र में फेंकी बिगड़ते देख इंदिरा गांधी बोलीं- बोर्डिंग स्कूल भेजो

67 के हुए संजय दत्त

> संजय दत्त के जन्म के बाद सुनील दत्त और नरगिस ने अपने बेटे के नाम के लिए फिल्म पत्रिका 'शमा' के पाठकों से सुझाव मांगे थे। इसके बाद देशभर से लगभग 15,000 से अधिक नाम आए। 'संजय' नाम आगरा की रहने वाली पुष्पा अग्रवाल ने सुझाया था।

नई दिल्ली। साल 1994। मुंबई की ठाणे सेंट्रल जेल की सबसे कड़ी सुरक्षा वाली अंडा बैरक में बंद एक आरोपी रक्षाबंधन के दिन अपनी बहनों का इंतजार कर रहा था। लोहे की सलाखों के पीछे दोनों बहनों ने उसके हाथ पर राखी बांधी, लेकिन उस भाई की जेब पूरी तरह खाली थी। देने के लिए न कोई तोहफा था, न पैसे।

कुछ पल तक वह चुप रहा। फिर जेल की कैंटीन से मिले दो-दो रुपए के चाय-नाश्ते के कूपन बहनों के हाथ में रख दिए और बोला, 'मेरे पास फिलहाल यही है।'

यह वही शख्स था, जिसके नाम पर कभी सिनेमाघरों के बाहर भीड़ उमड़ती थी। जिसकी फिल्मों के पोस्टर शहरों में छाए रहते थे और जो करोड़ों लोगों का सुपरस्टार था, लेकिन वक्त ने ऐसी करवट बदली कि वही एक्टर जेल की चारदीवारी के भीतर बहनों को सिर्फ दो रुपए के कूपन ही दे सका।

हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के 'संजू बाबा' यानी संजय

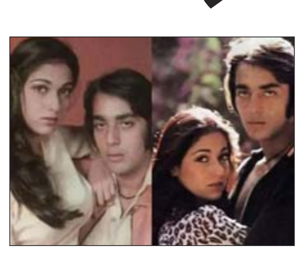

संजय दत्त और एक्ट्रेस टीना मुनीम ने फिल्म 'रॉकी' में काम किया था।

दत्त की। यॉर्क में करीब तीन महीने तक कोमा में रहने के बाद नरगिस को होश आया था। उनकी सबसे बड़ी इच्छा थी कि वे जल्द भारत लौटें और अपने बेटे की पहली फिल्म 'रॉकी' देखें। 6 मार्च 1981 को भारत लौटने के बाद 9 मार्च 1981 को सुनील दत्त उन्हें फिल्म 'रॉकी' दिखाने घर के प्रीव्यू थिएटर तक ले गए। कमजोरी के कारण वे पूरी फिल्म नहीं देख सकीं और सिर्फ सात रील देखने के बाद उन्हें वापस

संजय जूतों में हेरोइन छिपाकर न्यूयॉर्क गए थे

1980 में संजय दत्त अपनी पहली फिल्म 'रॉकी' की शूटिंग में बिजी थे। इसी दौरान उनकी मां नरगिस की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। नरगिस को पैंक्रियाटिक कैंसर था और उन्हें इलाज के लिए न्यूयॉर्क के मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर ले जाना था।

सुनील दत्त ने कांपती आवाज में अपने तीनों बच्चों संजय, नम्रता और प्रिया को बताया कि उनकी मां को कैंसर है। इसके बाद 'रॉकी' की शूटिंग रोक दी गई और 21 अगस्त 1980 को सुनील दत्त नरगिस को लेकर अमेरिका रवाना हो गए।

कमरे में ले जाना पड़ा, लेकिन जितना देखा, उससे वे बेहद खुश थीं। उन्हें विश्वास था कि उनका बेटा संजू बड़ा स्टार बनेगा।

संजय की डेब्यू फिल्म 'रॉकी' का प्रीमियर 7 मई 1981 को तय किया गया था।

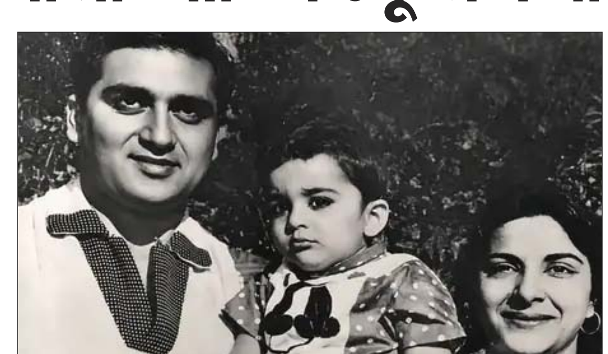

माता-पिता के साथ संजय दत्त की बचपन की तस्वीर। (AI की मदद से तस्वीर की क्वालिटी बेहतर की गई है।)

इंदिरा गांधी की सलाह पर बोर्डिंग स्कूल भेजा गया

संजय बचपन से ही परिवार के सबसे लाड़ले थे। माता-पिता, नानी और रिश्तेदार उनकी हर इच्छा पूरी कर देते थे। इसी वजह से वे बेहद जिद्दी भी होते जा रहे थे। स्कूल हो या घर, हर जगह उन्हें विशेष तवज्जो मिलती थी। हालांकि, संजय सिर्फ जिद्दी नहीं थे, उनका दिल भी बहुत बड़ा था। एक बार दिल्ली में एक शादी के दौरान उन्होंने ठंड से कांप रहे एक गरीब बच्चे को अपना सूट उतारकर दे दिया था।

लेकिन संजय की शरारतें परिवार की चिंता भी बढ़ा रही थीं। पत्रकार यासिर उस्मान द्वारा संजय दत्त पर लिखी किताब के मुताबिक छह साल की उम्र में उन्होंने पिता सुनील दत्त को सिगरेट पीते देखा और खुद भी सिगरेट पीने की जिद करने लगे।

इनसे कोई बातचीत नहीं करेंगे, फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत

पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे दुश्मन : पाक रक्षा मंत्री

बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि PoK में सरकार विरोधी प्रदर्शन कर रहे लोगों को वह भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से किसी तरह की बातचीत नहीं की जाएगी

आसिफ का यह बयान उस समय आया है, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी PoK में पुलिस की फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यहां चुनाव के विरोध में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) ने मार्च निकाला था। प्रदर्शनकारी PoK विधानसभा की 12 शरणार्थी सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। हिंसा के बाद पाकिस्तान ने पूरे PoK में अतिरिक्त सेना, पैरा मिलिट्री और आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी तैनात कर दी है। पूरे क्षेत्र में धारा-144 लागू कर इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। POK विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें 8 सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रेट्स और अन्य आरक्षित वर्गों के लिए हैं। बाकी 45 सीटों पर सीधे चुनाव होते हैं। इन्हीं 45 सीटों में 12 सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए हैं, जो 1947 और उसके बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान चले गए थे। इन सीटों के मतदाता POK में नहीं, बल्कि पाकिस्तान के पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और अन्य हिस्सों में रहते हैं। इस बार इन 12 सीटों पर करीब 6 लाख मतदाता वोट डालेंगे।

JAAC का आरोप है कि इन सीटों के जरिए इस्लामाबाद की राजनीतिक पार्टियां POK की सरकार के गठन में दखल देती हैं।

तस्वीर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की है। उन्होंने हाल ही में PoK में हुए प्रदर्शनों पर बयान दिया है।

भारत ने पीओके में हो रहे चुनाव को खारिज करते हुए इसे 'दिखावटी कवायद' बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान इस प्रक्रिया के जरिए अपने अवैध कब्जे और मानवाधिकार उल्लंघनों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है।

चुनाव का विरोध कर रही जेएएसी कौन है

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) के कई राजनीतिक दलों, ट्रेड यूनियनों और सामाजिक संगठनों का गठबंधन है।

यह संगठन पिछले कुछ वर्षों से स्थानीय अधिकारों और प्रशासनिक फैसलों को लेकर आंदोलन करता रहा है। 2024 में JAAC ने महंगाई, बिजली बिल और टैक्स के खिलाफ बड़ा आंदोलन चलाया था।

रावलकोट में मंगलवार को प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की गई, जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई थी।

5 हजार लोगों के मार्च पर चली गोलियां

मंगलवार को जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के बैनर तले करीब 5 हजार लोग रावलाकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च निकाल रहे थे। संगठन का आरोप है कि सुरक्षा बलों ने बिना किसी उकसावे के फायरिंग कर दी।

हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने JAAC के आरोपों से इनकार किया है। सरकार का दावा है कि प्रदर्शनकारी आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने पहले सुरक्षाबलों पर हमला किया, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई।

अडाणी पोर्ट्स का मुनाफा 10% बढ़कर 3,650 करोड़ हुआ

कंपनी को घरेलू पोर्ट्स कारोबार से फायदा मिला

मुंबई, एजेंसी

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (APSEZ) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। मजबूत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के दम पर कंपनी का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10% बढ़कर 3,650 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 3,311 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। कंपनी की ऑपरेशंस से होने वाली कमाई में भी 19% की बढ़त दर्ज की गई है। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 10,821 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,126 करोड़ रुपए था।

तिमाही के दौरान अडाणी पोर्ट्स का EBIDTA यानी ऑपरेटिंग प्रॉफिट 19% बढ़कर 6,541 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 5,495 करोड़ रुपए था। EBITDA मार्जिन में भी मामूली सुधार देखा गया है और यह 60.2% से सुधरकर 60.4% पर पहुंच गया है। अडाणी पोर्ट्स ने बताया कि उसका डोमेस्टिक पोर्ट्स बिजनेस कमाई का सबसे बड़ा जरिया बना रहा। बेहतर कार्गो मिक्स, ज्यादा रियलाइजेशन और वॉल्यूम ग्रोथ के चलते घरेलू पोर्ट्स बिजनेस के रेवेन्यू में सालाना आधार पर 12% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इस पहली तिमाही के दौरान कंपनी के डोमेस्टिक पोर्ट्स ने कुल 115.3 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) कार्गो हैंडल किया।

फास्ट न्यूज

भीषण गर्मी से परेशान यूरोप में एसी खरीदने की होड़

पेरिस। यूरोप के ज्यादातर हिस्सों में एयर कंडीशनिंग को एक गैर-जरूरी विलासिता माना जाता था, जबकि अमेरिकियों ने इसे रोजमर्रा की जिंदगी का एक आम हिस्सा बना लिया था। पश्चिमी यूरोप के लोगों की इस सोच में अब बदलाव आ गया है, क्योंकि इस बार यूरोप में जबरदस्त हीटवेव के कारण तापमान 100°F से ऊपर पहुंच गया। हीटवेव के चलते यूरोपीय लोग बड़ी संख्या में AC यूनिट खरीद रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय एच-1बी वीजा धारकों की जगी उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिका में इमिग्रेशन को लेकर एक नया प्रस्ताव सामने आया है। दरअसल डोनल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के सामने डेमोक्रेटिक सीनेटर एलेक्स पैडिला ने नया बिल पेश किया है। इस बिल का मकसद अमेरिका में रह रहे उन लाखों भारतियों को ग्रीन कार्ड का रास्ता दिलाना है जो लंबे समय से यहां रह रहे हैं। इस कदम से अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय को बड़ी राहत मिली है। खासकर उन पेशेअर लोगों को जो H-1B वीजा पर यहां काम कर रहे हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

पत्नी और 6 बच्चों को गोलियों से भूनकर पति ने किया सुसाइड

मिशिगन। अमेरिका के मिशिगन में 6 बच्चों के साथ मारी गई महिला ने अपनी मौत से पहले पति पर एक युवा इंटर्न के साथ कथित अफेयर का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के अनुसार, 47 साल के क्रिस्टोफर कैरोल्कीविज ने मिशिगन के ग्रैंड हेवन टाउनशिप में अपने घर पर अपनी पत्नी 39 साल की अमांडा मैंडी कैरोल्कीविज और 5 से 15 साल की उम्र के अपने छह बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी ।

अडाणी एंटरप्राइजेज को पहली तिमाही में 1,160 करोड़ का घाटा

मुंबई, एजेंसी

अमेरिकी एजेंसी को 2644 करोड़ रुपए का सेटलमेंट पेमेंट देने की वजह से अडाणी एंटरप्राइजेज को जून तिमाही में 1,160 करोड़ का घाटा हुआ है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 885 करोड़ का मुनाफा हुआ था। अडाणी एंटरप्राइजेज ने आज 29 जुलाई को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

कंपनी को भले ही 1160 करोड़ रुपए का घाटा हुआ हो लेकिन पिछले साल की तुलना में उसका तिमाही रेवेन्यू 50% बढ़ गया है। पिछले साल की तिमाही में कंपनी ने 21,961 करोड़ रुपए का रेवेन्यू हासिल किया था।

कंपनी को जून तिमाही में हुए नेट लॉस का सबसे बड़ा कारण एक वन-टाइम यानी एकमुश्त खर्च है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने अमेरिकी एजेंसी 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' (OFAC) को 2,644 करोड़ का सेटलमेंट अमाउंट चुकाया है। इसी 2,644 करोड़ के वन-टाइम लॉस के एडजस्टमेंट के कारण कंपनी का मुनाफा प्रभावित हुआ और यह मुनाफे से घटकर घाटे में बदल गया। वन-टाइम सेटलमेंट लॉस के बावजूद कंपनी के कोर बिजनेस ऑपरेशंस में ग्रोथ देखने को मिली है। अमेरिकी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (OFAC) अमेरिका के ट्रेजरी विभाग की एक वित्तीय खुफिया और प्रवर्तन एजेंसी है।

वजह- अमेरिकी एजेंसी को 2,644 करोड़ का सेटलमेंट पेमेंट किया रेवेन्यू 50% बढ़ा

15 क्रू मेंबर सवार थे ■ लगातार ड्रोन और मिसाइलों से अटैक हो रहे

यूक्रेन में जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंसे

कीव, एजेंसी

यूक्रेन में चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंस गए हैं। 'एमवी अमीर 1' नाम का जहाज लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच फंस गया है। इसके बाद इंडियन सीमेन यूनियन ने इस मामले में तुरंत मदद की अपील की है।

यूनियन के मुताबिक, जहाज पर कुल 15 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 13 भारतीय नाविक शामिल हैं। जहाज बेहद खतरनाक हालात में फंसा हुआ है। उसके आसपास लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश हो रही है, जिससे चालक दल के सदस्य हर पल सीधे हमले की आशंका में जी रहे हैं।

यूनियन ने भारत सरकार, जहाज के मालिक, फ्लैग स्टेट और सभी संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि नाविकों की सुरक्षा तुरंत सुनिश्चित की जाए और उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित भारत वापस लाया जाए। यूनियन ने कहा कि भारतीय नाविकों को युद्ध वाले इलाके में निशाना बनने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इस मामले में तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। यूक्रेन दुनिया के कुल गेहूं निर्यात का करीब 6% और मक्का निर्यात का लगभग 11% हिस्सा देता है। लेकिन लगातार हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण ब्लैक सी के जरिए होने वाला यूक्रेन का अनाज निर्यात करीब एक-तिहाई तक प्रभावित हुआ है।

इंडियन सीमेन यूनियन ने जहाज के पास हमले का यह वीडियो जारी किया।

इंडियन सीमेन यूनियन भारत के समुद्री कर्मचारियों का एक संगठन है। यह जहाजों पर काम करने वाले भारतीय नाविकों और समुद्री कर्मियों के अधिकारों, सुरक्षा, वेतन और कामकाजी परिस्थितियों से जुड़े मुद्दे उठाता है।

ब्लैक सी में बढ़ता तनाव, कारोबार पर असर

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी और सी ऑफ एजोव में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। इससे कारोबारी जहाजों और अनाज के निर्यात पर खतरा बढ़ गया है।

2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद ब्लैक सी दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री इलाकों में शामिल हो गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय समझौतों से अनाज का निर्यात फिर शुरू हुआ था, लेकिन हाल के महीनों में बढ़े हमलों से यह व्यवस्था फिर प्रभावित हुई है।

यूक्रेन लगातार रूस के ऊर्जा ढांचे और तेल टैंकरों को निशाना बना रहा है। वहीं रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों, ईंधन भंडारण केंद्रों और कार्गो जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी दावा किया है कि उसकी सेना ने ओडेसा बंदरगाह पर ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया।

ईरान जंग में अब सऊदी अरब की एंट्री

अमेरिका के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थक लड़ाकों पर हमले किए, 20 की मौत

तेहरान, एजेंसी

ईरान जंग में अब सऊदी अरब की भी एंट्री हो गई है। सऊदी ने अमेरिका के साथ मिलकर मंगलवार रात इराक में ईरान समर्थक पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (PMF) के लड़ाकों के ठिकानों पर हमले किए। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक इसमें 20 लड़ाकों की मौत हो गई है जबकि 32 घायल हुए हैं।

अमेरिकी सेना के मुताबिक, इन ठिकानों से अमेरिकी सैनिकों और सऊदी अरब के ऊर्जा ठिकानों पर हमलों की तैयारी की जा रही थी। हमलों के कुछ घंटे बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ये मिसाइलें जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे की ओर दागी गई थीं, लेकिन सभी को रास्ते में ही इंटरसेप्ट कर लिया गया।

यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के बंदरगाहों से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इसके बाद चीन ने अपने तेल टैंकरों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हूतियों से सीधे बातचीत की है। यह दावा रॉयटर्स ने मामले की जानकारी रखने वाले छह सूत्रों के हवाले से किया है।

चीन के विदेश मंत्रालय ने बातचीत की पुष्टि नहीं की है। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी का कच्चा तेल लेकर चीन जा रहे कम से कम चार टैंकर इस रास्ते से गुजर चुके हैं। चीन ने हर जहाज की यात्रा के लिए हूतियों से अलग-अलग मंजूरी ली थी। हूतियों ने 20 जुलाई को शिपिंग कंपनियों को चेतावनी दी थी कि सऊदी अरब के बंदरगाहों पर माल लादने या उतारने वाले जहाजों पर हमला किया जा सकता है। इसके बाद सुरक्षा खतरे को देखते हुए कुछ तेल टैंकरों ने अपना समुद्री रास्ता बदल दिया था। इराक की स्थिति ऐसी है कि उसके दोनों बड़े साझेदार अमेरिका और ईरान एक-दूसरे के विरोधी हैं। इसलिए जब भी दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता है, उसका असर सबसे पहले इराक पर पड़ता है।

इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर अमेरिका और सऊदी अरब की कार्रवाई का फुटेज।

अमेरिका ने इराक में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की

बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इराक में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। यह सलाह ईरान समर्थित समूहों के हालिया हमलों के बाद जारी की गई है। दूतावास ने कहा है कि अमेरिकी नागरिक स्थानीय मीडिया पर नजर रखें और इराकी अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें। साथ ही चेतावनी दी कि सुरक्षा स्थिति के कारण बिना किसी पूर्व सूचना के हवाई क्षेत्र बंद किया जा सकता है या उड़ानों में बाधा आ सकती है। दूतावास ने यात्रियों से एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की भी सलाह दी है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने 22 जुलाई को तेहरान में इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी से मुलाकात की थी।

ट्रम्प ने नेतन्याहू जेलेंस्की से बंद कमरे में मुलाकात की

कहा- ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से अलग-अलग मुलाकात की। हालांकि, इस बार दोनों बैठकें ओवल ऑफिस में आमतौर पर होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम की बजाय बंद कमरे में हुईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ट्रम्प आमतौर पर विदेशी नेताओं से कैमरों के सामने मुलाकात करते हैं, लेकिन इस बार मीडिया को बैठक से दूर रखा गया। मुलाकात के बाद ट्रम्प ने भी कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। इसकी जानकारी नेतन्याहू और जेलेंस्की ने खुद दी।

नेतन्याहू ने कहा कि ट्रम्प के साथ उनकी अच्छी बातचीत हुई और दोनों इस बात पर सहमत हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने दिए जाएंगे। वहीं, जेलेंस्की ने बताया कि करीब एक घंटे चली बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिशों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि ट्रम्प यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कायम हैं। यूक्रेन को इन सिस्टमों की जरूरत रूस के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों से अपने शहरों और अहम ठिकानों की रक्षा के लिए है। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही अब भी धीमी बनी हुई है, जबकि बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की संख्या बढ़ गई है।

समर्थन : छात्र आंदोलन को पाकिस्तानी समर्थन के दावे पर बोला भारत इंडियन जेनजी भी यही चाहते हैं

'पाकिस्तान सीमा पर आतंकवाद बंद करे'

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार ने मंगलवार को उन खबरों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तान के कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और GenZ समूहों ने दिल्ली में हुए CJP के छात्र आंदोलन का समर्थन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी चिंता पाकिस्तान का सीमा पार आतंकवाद है।

उन्होंने कहा,हम खुद को इस आंदोलन में देखते हैं। आखिर हम एक बंटे हुए परिवार के बच्चे हैं।

बिलाल ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को बहादुर बताया और कहा कि वे अपने देश का बेहतर भविष्य चाहते हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे एकजुट रहें और कोई भी जोखिम सोच-समझकर उठाएं।

समर्थन सिर्फ बयानों तक सीमित नहीं रहा। कई पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर्स ने आंदोलन पर मीम्स और वीडियो भी बनाए। कुछ ने मजाक में कहा कि उन्हें जंतर-मंतर पहुंचने से सिर्फ भारत-पाकिस्तान की सीमा रोक रही है। वहीं, कुछ लोगों ने पाकिस्तानी पासपोर्ट के साथ प्रदर्शन में पहुंचने की कल्पना वाले वीडियो बनाए। एक अन्य वीडियो में एक पाकिस्तानी महिला ने कहा कि भारत के GenZ की वजह से उसके लिए भारत से नफरत करना मुश्किल होता जा रहा है। पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर महविश एजाज ने भी छात्र आंदोलन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले छात्रों की संघर्ष की कहानियों ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उसने 480 से ज्यादा पाकिस्तान-आधारित सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान की, जो छात्र आंदोलन से जुड़ी भ्रामक और फर्जी सामग्री फैला रहे थे। लेकिन पुलिस ने इन हैंडल्स के नाम सार्वजनिक नहीं किए।

पाकिस्तान के कई इन्फ्लुएंसर्स ने समर्थन जताया था

CJP छात्र आंदोलन के दौरान पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने खुलकर छात्रों का समर्थन किया था। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के साझा इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के युवाओं की परेशानियां और उम्मीदें एक जैसी हैं। इंस्टाग्राम पर करीब 3 लाख फॉलोअर्स वाले पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर बिलाल हसन ने एक वीडियो जारी कर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच नफरत फैलाई गई है, लेकिन पाकिस्तान के लोग आंदोलन के पोस्टर, नारों और संदेशों को अच्छी तरह समझते हैं।

> **"वहीं, पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर अहसान मिर्जा ने कहा,छात्रों को हमेशा छात्रों का साथ देना चाहिए। हम एक जैसे हैं। हमारे पूर्वजों ने एक ही रोटी खाई और अंग्रेजों के खिलाफ साथ लड़ाई लड़ी।**

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को चीन से मिला 6,000 करोड़ का फंड

अमेरिका विदेशी फंडिंग पर उठा सवाल, जांच शुरू करने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में यूनिवर्सिटीज को मिलने वाली विदेशी फंडिंग पर सवालों के बीच नया खुलासा हुआ है। इससे यूनिवर्सिटीज और ट्रम्प प्रशासन के बीच टकराव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। शिक्षा विभाग के पोर्टल के मुताबिक, हार्वर्ड को विदेशी स्रोतों से रिकॉर्ड 43,100 करोड़ रु. मिले हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। इसमें से छह हजार करोड़ चीन से आए हैं।

ट्रम्प प्रशासन की वीसा नीतियों और प्रवासियों पर सख्ती के बीच अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर विदेशी नागरिकों और पैसे पर अत्यधिक निर्भरता का आरोप लग रहा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौते की बात कही जा रही है। ट्रम्प प्रशासन से जांच शुरू करने की मांग उठी है।

यह विवाद सिर्फ हार्वर्ड तक सीमित नहीं है। अमेरिका के वॉच-लिस्ट में शामिल शीर्ष पांच चीनी कंपनियों (जैसे हुआवेई और एयर चाइना) ने देश के अलग-अलग कॉलेजों को करीब 1,140 करोड़ रु. दिए हैं। इन्हें भी राडार पर लेकर जांच हो सकती है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आ रहा विदेशी पैसा सिर्फ दान नहीं, बल्कि रणनीतिक घुसपैठ का जरिया बन चुका है। फंड के इस खेल से अमेरिका के सामने कई बड़े खतरे खड़े हो गए हैं। यूनिवर्सिटी लैब्स में विदेशी फंड के जरिए गोपनीय रिसर्च और डेटा चुराए जाने की आशंका जताई जा रही है। आरोप हैं कि चीनी सेना से जुड़ी संस्थाएं फंडिंग देकर अमेरिकी तकनीक का इस्तेमाल अपने हथियारों को तैयार करने में कर सकती हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96